लखनऊ, सोमवार,28 सितम्बर 2026
वर्ष0 : 21
अंक : 347
पृष्ठ : 8
राजधानी संस्करण
मूल्यः 2-00 रूपए

लोक हस्तक्षेप

THE POWER OF TRUTH

हिंदी दैनिक

lokhastakshep.com

खेल

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय में सिराज को जगह नहीं मिलने से सभी हैरान.....7

कांग्रेस का संवैधानिक व लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास नहीं: मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ,संवाददाता: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस समेत सभी विपक्षी दलों को खूब खरी-खरी सुनाई। अपने सरकारी आवास पर रविवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह लोग भारत की संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंचाने, राजनीतिक स्वार्थ के लिए लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने की हर साजिश का हिस्सा रहे हैं। सीएम ने कहा कि देश का मुख्य विपक्षी दल व यूपीए गठबंधन से जुड़े अन्य दलों की हरकतें-बयानबाजी गैरजिम्मेदाराना हैं व लोकतांत्रिक मूल्यों को नुकसान पहुंचाने जैसी हैं। इन्होंने एसआईआर को लेकर भ्रम फैलाया है। एसआईआर पहली बार नहीं हुआ है। देश में इससे पहले वर्ष 1952, 1957, 1961, 1965-66, 2003 समेत अनेक बार एसआईआर हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बार की एसआईआर की कार्रवाई को लेकर कांग्रेस, सपा, राजद समेत अन्य दलों ने जो हायतौबा मचाई है, वह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। देश में सर्वाधिक समय तक शासन करने वाली कांग्रेस लगातार चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा कर रही है। उन्होंने तंज किया कि सपा, कांग्रेस, राजद आदि विपक्षी दल यदि चुनाव जीतें तो इनका पुरुषार्थ है परंतु भ्रष्टाचार, आर्थिक कदाचार, कुनीति, अराजकतापूर्ण कार्यों के कारण यदि जनता इन्हें खारिज करे तो इसके लिए चुनाव आयोग और ईवीएम दोषी है। इन दलों को अपने बचकाने बयानों को लेकर चिंतन व आत्मावलोकन करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन लोगों द्वारा हर संवैधानिक संस्था को लगातार कटघरे में खड़ा किया जाता है। यह लोग चुनाव आयोग पर लगातार हमलावर हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कैंब्रिज में भारत की न्यायपालिका की निष्पक्षता पर प्रश्न खड़ा किया था। 2019 में कैग ने राफेल के मुद्दे पर अपना आब्जर्वेशन दिया था, इस पर भी कांग्रेस ने सवाल खड़े किए थे। ईवीएम से हुए चुनाव में केंद्र व कई राज्यों में कांग्रेस की सरकार बनी, उस ईवीएम को ब्लैक बॉक्स कहकर भारत की चुनाव प्रणाली व दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र पर सवाल खड़ा करना दुर्भाग्यपूर्ण है।

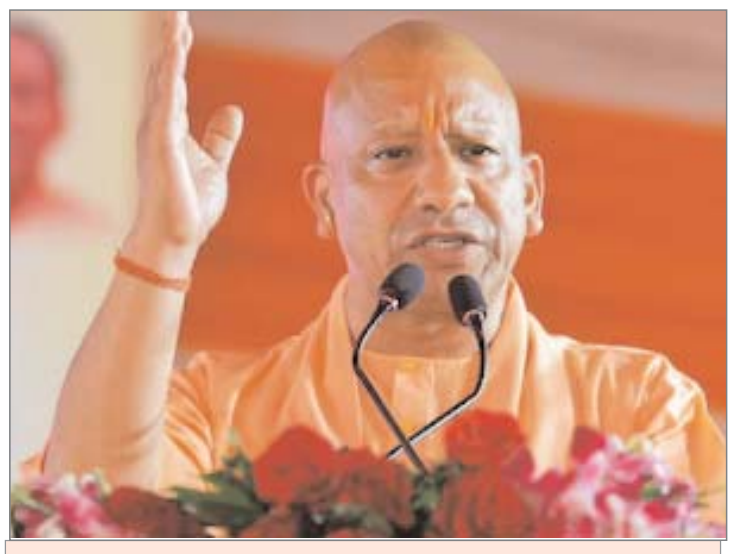

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि इनका संवैधानिक व लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास नहीं है। 25 जून 1975 को कांग्रेस ने जब देश के संविधान का गला घोंटने का पाप किया था, तब उनके नेतृत्व की सरकारों ने विपक्षी दलों की चुनी गई तमाम सरकारों को अनैतिक तरीके से गिराने का पाप किया था। अपनी भ्रष्ट कार्यप्रणाली, आर्थिक कदाचार के कारण देश की आंतरिक-वाह्य सुरक्षा के साथ लगातार खिलवाड़ किया। बालाकोट की एयर स्ट्राइक, ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत के बहादुर जवानों के शौर्य-पराक्रम पर इनके द्वारा सवाल खड़ा करना देशभक्ति नहीं है। वर्तमान में ऐसी ही गैरजिम्मेदाराना हरकतें कांग्रेस व उनके सहयोगी दल कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर के बारे में पहले से ही निर्देश दिए गए थे कि छूटे हुए मतदाताओं को फॉर्म भरने की पूरी छूट है। फॉर्म-6 को लेकर उच्चतम न्यायालय ने चुनाव आयोग की कार्रवाई को उचित ठहराया, फिर भी चुनाव आयोग, मुख्य निर्वाचन आयुक्त व हर संवैधानिक संस्थाओं को कटघरे में खड़ा करके भारत की बदनामी कराना और सबसे बड़े लोकतंत्र को कमजोर करने की चेष्टा करने वाली कांग्रेस व उनके सहयोगी दलों का यह कृत्य अत्यंत हैरान करने वाला है। कांग्रेस अपनी गैरजिम्मेदाराना हरकतों को कंट्रोल करे। लोकतंत्र में हिंसा, तोड़फोड़ व दुष्प्रचार के लिए कोई जगह नहीं है। सीएम ने कहाकि तीनों चुनाव आयुक्त ने मीडिया के सामने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली, छूटे मतदाताओं व फॉर्म-6 को लेकर स्थिति स्पष्ट की है। अब कोई प्रश्न खड़े नहीं होते, लेकिन कांग्रेस, सपा व सहयोगी दलों द्वारा बाल की खाल उधेड़ने जैसी स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण है। लोकतांत्रिक मूल्यों व संस्थाओं को कमजोर करने की साजिश हो रही है। भारत ने हर वयस्क मतदाता को पहले दिन से जाति, क्षेत्र, भाषा, लिंग समेत बिना भेदभाव मतदान करने की स्वतंत्रता और चुनाव के एक दिन पहले तक मतदाता सूची में नाम बढ़ाने का अधिकार दिया है। पूरी पारदर्शी प्रक्रिया पर प्रश्नचिह्न उठाना लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने जैसा है। कांग्रेस व सहयोगी दलों को अपने कृत्य के लिए आमजन व देश की संवैधानिक संस्थाओं से माफी मांगनी चाहिए।

योगी सरकार में खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास को नई रफ्तार, 1548 करोड़ रुपये से 8,397 परियोजनाएं ला रहीं बदलाव

लखनऊ,संवाददाता उत्तर प्रदेश में खनन प्रभावित क्षेत्रों के विकास और वहां रहने वाले लोगों की सुविधाएं बढ़ाने के लिए जिला खनिज फाउंडेशन (डीएमएफ) निधि का योगी सरकार में व्यापक इस्तेमाल हो रहा है। वर्ष 2017 से अगस्त 2026 तक प्रदेश में इस निधि से कुल 8,397 परियोजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन परियोजनाओं पर अब तक 1548 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा चुके हैं। इसके जरिए शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे से लेकर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के कल्याण तक विभिन्न क्षेत्रों में इन परियोजनाओं का सुधारात्मक असर दिखाई दे रहा है।भूतत्व एवं खनिकर्म विभाग के मुताबिक खनन से प्रभावित क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने के लिए जिला खनिज फाउंडेशन निधि का उपयोग किया जा रहा है। इसके तहत अवैध खनन और परिवहन पर रोक के लिए चेकिंग रोड का निर्माण और समय-समय पर मरम्मत, वृक्षारोपण व रेन वाटर हार्वेस्टिंग जैसे कार्य भी कराए गए हैं।योगी सरकार के पिछले 9 वर्षों से अधिक में डीएमएफ निधि से प्रत्येक जनपद में शिक्षा से जुड़ी 3,419 परियोजनाओं के तहत प्राथमिक विद्यालयों का जीर्णोद्धार कराया गया।

अनुकूल नीतियों के चलते पसंदीदा निवेश गंतव्य बनकर उभरा यूपी : गोयल

नई दिल्ली,एजेंसी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि अनुकूल औद्योगिक नीतियों और बड़ी कंपनियों को आकर्षित करने की अपनी क्षमता के चलते उत्तर प्रदेश (यूपी) घरेलू और वैश्विक निवेशकों के लिए एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि निर्यात, निवेश और वैश्विक बाजारों तक पहुंच के विस्तार से उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में योगदान मिलेगा। गोयल ने ग्रेटर नोएडा में 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो' को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य के राजस्व संग्रह में हुई उल्लेखनीय वृद्धि ने प्रदेश के विकास को गति देने में अहम भूमिका निभाई है। इस समय राज्य का सालाना निर्यात लगभग दो लाख करोड़ रुपये है और इसे 2030 तक बढ़ाकर पांच लाख करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित चौथे 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो' को संबोधित करते हुए कहा, ''अपनी अनुकूल औद्योगिक नीतियों

के कारण उत्तर प्रदेश एक पसंदीदा निवेश गंतव्य बन चुका है।''उन्होंने आगे कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में प्रमुख कॉरपोरेट घराने और वैश्विक निवेशक आ रहे हैं, जिससे रोजगार के नए अवसर पैदा हो रहे हैं।गोयल ने बताया कि राज्य का आबकारी शुल्क संग्रह वित्त वर्ष 2016-17 के 14,273 करोड़ रुपये के मुकाबले चार गुना से अधिक होकर वित्त वर्ष 2025-26 में 60,728 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है।
वहीं, चालू वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक इसके 70,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की उम्मीद है।
उन्होंने कहा कि स्टाम्प शुल्क संग्रह सहित भूमि हस्तांतरण पंजीकरण शुल्क भी वित्त वर्ष 2016-17 के 11,564 करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2026-27 के बजट में 43,802 करोड़ रुपये हो गया है।गोयल ने कहा कि खनन राजस्व संग्रह में भी इसी प्रकार की भारी वृद्धि दर्ज की गई है और इस पूरे राजस्व का इस्तेमाल राज्य की आर्थिक वृद्धि के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास का अगला पड़ाव वैश्विक बाजारों में निर्यात बढ़ाना, अंतरराष्ट्रीय निवेश आकर्षित करना, पर्यटन को सुदृढ़ बनाना और राज्य के स्थानीय ब्रांड को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है।केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने एक्स पर जारी एक पोस्ट में लिखा, आज यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे संस्करण में उत्तर प्रदेश के सामर्थ्य, हुनर और वैश्विक अवसरों के संगम को करीब से देखने और अपने विचार साझा करने का अवसर मिला। गोयल ने कहा कि एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट और इंडस्ट्रियल पार्क से लेकर डिफेंस, सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स क्लस्टर तक, उत्तर प्रदेश ने विकास की मजबूत नींव तैयार की है।उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश एक्सपोर्ट के लिए तैयार, ब्रांड के लिए तैयार और विश्वसनीय विनिर्माण भागीदार बनाने की दिशा में प्रदेश निरंतर आगे बढ़ रहा है। गोयल ने कहा युवा शक्ति, एमएसएमई, कारीगरों और नई तकनीक के सामर्थ्य से लोकल को ग्लोबल बनाना ही विकसित उत्तर प्रदेश और विकसित भारत का लक्ष्य है। व्यापार मेला के ये पांच दिन केवल प्रदर्शनी तक सीमित नहीं, बल्कि वर्षभर चलने वाले वैश्विक व्यापार के नए अवसरों का आरंभ हैं।

असम में 61,500 आंगनबाड़ी केंद्रों में 'आंगन मिलन सेवा' शुरू

गुवाहाटी,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष की सेवा, सुशासन और समर्पण की यात्रा के उपलक्ष्य में असम में रविवार से तीन चरणों वाले 'आंगन मिलन सेवा' कार्यक्रम की शुरुआत हुई। यह कार्यक्रम राज्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चल रहे महीने भर के 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत आयोजित किया जा रहा है।कार्यक्रम के पहले चरण का आयोजन रविवार को कामरूप महानगर, नलबाड़ी, दरंग, ग्वालपाड़ा, तामुलपुर और होजाई जिलों में किया गया। इसके तहत राज्य के करीब 61,500 आंगनबाड़ी केंद्रों को शामिल किया गया है।भारतीय जनता पार्टी के प्रवक्ता प्रांजल कलिता ने पार्टी मुख्यालय अटल बिहारी वाजपेयी भवन से जारी एक बयान में बताया कि शेष 29 जिलों को कार्यक्रम के दूसरे और तीसरे चरण में क्रमशः 4 और 11 अक्टूबर को शामिल किया जाएगा।

अशोक सिंघल का जीवन त्याग और संघर्ष का प्रतीक : अमित

नई दिल्ली,,एजेंसी। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि अशोक सिंघल का संपूर्ण जीवन त्याग, सादगी, धर्मनिष्ठा, उत्कृष्ट राष्ट्रभक्ति और स्वयंसेवकत्व का अद्वितीय उदाहरण रहा है। आने वाली पीढ़ियों को सही दिशा और प्रेरणा देने के लिए अशोक सिंघल का जीवन-दर्शन जन-जन तक पहुंचाना जरूरी है।केन्द्रीय मंत्री अमित शाह आज दिल्ली स्थित भारत मंडपम में विश्व हिंदू परिषद् (विहिप) के वरिष्ठ प्रचारक एवं रामजन्मभूमि आंदोलन के प्रमुख सूत्रधार दिवंगत अशोक सिंघल के जन्म शताब्दी वर्ष समारोह को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का शुभारंभ 100 वैदिक आचार्यों द्वारा शंखनाद और मंत्रोच्चार के साथ किया गया।मुख्य अतिथि शाह ने अशोक सिंघल के साथ अपने व्यक्तिगत संस्मरण साझा करते हुए उनके अप्रतिम त्याग को रेखांकित करते हुए कहा, जब कांग्रेस पार्टी ने मुझे जेल में डाला और मैं दिल्ली में तीन साल के संकट के दौर से गुजर रहा था, तब मैं अक्सर विहिप कार्यालय में उनसे मिलने जाता था। इतने समृद्ध परिवार से आने के बावजूद वे 20 वर्गमीटर के एक छोटे-से कमरे में रहते थे, जहां एक ही जगह रसोई, बिस्तर और

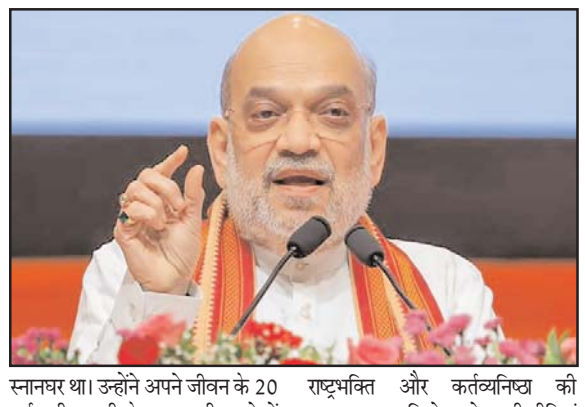

स्नानघर था। उन्होंने अपने जीवन के 20 वर्ष इसी सादगी के साथ उसी कमरे में बिताए।उन्होंने रामजन्मभूमि आंदोलन में अशोक सिंघल की केंद्रीय भूमिका का उल्लेख किया और कहा कि 550 वर्षों के संघर्ष और बलिदान के बाद आज जो भव्य राममंदिर का निर्माण हुआ है, उसकी नींव में उनका संकल्प रचा-बसा था। उन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार के तत्कालीन दौर का स्मरण कराते हुए कहा कि जब कारसेवकों पर निर्मम लाठीचार्ज किया जा रहा था, तब वे भेष बदलकर मोर्चे पर डटे रहे। सिर पर गहरी चोट लगने के बाद जब खून बहने लगा, तो उन्होंने गमछे से खून पोंछते हुए संघर्ष जारी रखा। यह दृश्य राष्ट्रभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा की पराकाष्ठा था, जिसे आने वाली पीढ़ियां सदियों तक याद रखेंगी।एक सच्चे स्वयंसेवक के अनुशासन का उदाहरण देते हुए गृह मंत्री ने एक कार्यक्रम का संस्मरण सुनाया। उन्होंने बताया कि गंभीर अस्वस्थता और सांस फूलने के बावजूद जब राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने उनसे गीत गाने का आग्रह किया तो अशोक सिंघल ने तुरंत माइक संभालते हुए कहा जब सरसंघचालक जी ने कह दिया तो मेरे पास कोई विकल्प नहीं बचता। यह भाव केवल एक निष्ठावान और समर्पित स्वयंसेवक के भीतर ही हो सकता है।

तीन दिन की बैंक हड़ताल स्थगित, निकाय और यूनियनों के बीच बातचीत के बाद लिया गया फैसला

नई दिल्ली। बैंकों की तीन दिनों की प्रस्तावित हड़ताल टल गई है। भारतीय बैंक संघ (आइबीए) और यूनाइटेड फोरम आफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के बीच बैठक के बाद सोमवार से प्रस्तावित देशव्यापी हड़ताल स्थगित करने पर सहमति बनी।बैंकों में सोमवार को अब सामान्य तरीके से कामकाज होगा। हड़ताल का आह्वान यूएफबीयू ने किया था। हफ्ते में पांच दिन काम करने या पांच दिवसीय सप्ताह समेत अपनी मांगों पर आइबीए के आश्वासन के बाद रविवार देर रात बैंक यूनियनों ने हड़ताल टालने की घोषणा की।
बैंक यूनियन की ओर से जारी किए गए बयान के अनुसार, रविवार रात 9:30 बजे ढ्रक्क और स्रक्क की बैठक हुई। बैठक में हुई बातचीत के बाद दोनों पक्ष सहमत हुए।सभी शनिवार को बैंक की छुट्टी करने के मुद्दे पर विचार करने के लिए IBA और स्रक्क की एक संयुक्त समिति तुरंत बनाई जाएगी। यह समिति हर विकल्प पर विचार करेगी, प्रभावित सभी लोगों से बात करेगी और ऐसा समाधान खोजने की कोशिश करेगी जो सभी पक्षों, खासकर ग्राहकों के लिए सही हो। स्केल IV और उससे ऊपर के अधिकारियों के लिए PLI स्कीम में बदलाव को लेकर IBA के साथ बातचीत शुरू की जाएगी, ताकि उनकी चिंताओं को सरकार के सामने रखा जा सके।
8 मार्च, 2024 की बैठक में बताए गए अन्य लंबित मुद्दों पर भी चर्चा की जाएगी ताकि उन्हें जल्द सुलझाया जा सके। इन समझौतों के कारण, UFBU ने कहा है कि वह फिलहाल अपने प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन और हड़ताल को वापस ले लेगा।
बता दें कि सोमवार से बुधवार तक बैंक यूनियनों ने राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल की घोषणा की थी। हड़ताल के चलते सभी सरकारी बैंक, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक बंद रहते। इस दौरान चेक क्लियरेंस, कैश निकालने और जमा करने समेत बैंकिंग सेवाएं बाधित रह सकती थीं। डिजिटल बैंकिंग और अन्य ऑनलाइन सेवाएं भी बंद रहने की संभावनाएं थीं।बैंक की हड़ताल के चलते इस हफ्ते लाखों बैंक ग्राहकों को लगातार तीन दिनों तक बैंकिंग सेवाओं में भारी रुकावट का सामना करना पड़ता।
हालांकि, अब हड़ताल टलने से देश भर की बैंक शाखाएं सामान्य रूप से खुलेंगी और चेक क्लीयरेंस और कैश ट्रांजेक्शन जैसी तमाम सेवाएं सुचारू रूप से जारी रहेंगी, जिससे आम जनता को बड़ी राहत मिली है।
गौरतलब है कि फिलहाल सभी सरकारी बैंकों में दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश रहता है।

सीबीआई ने 11.42 करोड़ रुपये के डिजिटल अरेस्ट मामले में दो और आरोपितों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली,,एजेंसी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने गुजरात के 11.42 करोड़ रुपये के डिजिटल अरेस्ट मामले में दो और आरोपितों हिमांशु प्रसाद और यूनिस बिस्वास को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने ऑपरेशन चक्र-6 के तहत देश के 10 राज्यों में 22 ठिकानों पर एक साथ तलाशी भी ली। जांच एजेंसी के अनुसार, दोनों आरोपितों ने ठगी की रकम को प्राप्त करने, अलग-अलग खातों में भेजने और मनी ट्रेल छिपाने में भूमिका निभाई।सीबीआई के अनुसार, इस मामले में पीड़ित को साइबर अपराधियों ने पुलिस और भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) के अधिकारियों के रूप में पहचान बताकर करीब तीन महीने तक डिजिटल अरेस्ट रखा था। इस दौरान उसे डराकर 11.42 करोड़ रुपये सिंडिकेट के नियंत्रण वाले बैंक खातों में ट्रांसफर कराए गए।जांच के दौरान वित्तीय लेनदेन और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर तलाशी की कार्रवाई की गई। 10 राज्यों में 22 स्थानों पर की गई तलाशी में बैंकिंग दस्तावेज, खातों से जुड़े रिकॉर्ड, डिजिटल उपकरण और अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य बरामद किए गए हैं। सीबीआई इन उपकरणों और दस्तावेजों की फोरेंसिक जांच कर रही है।सीबीआई के मुताबिक, तलाशी के दौरान हिमांशु प्रसाद और यूनिस बिस्वास की भूमिका सामने आई। जांच में पता चला कि दोनों ने मेसर्स हेक्साक्वेस्ट ग्लोबल प्राइवेट लिमिटेड के बैंक खाते का इस्तेमाल कर ठगी की रकम में से 2.5 करोड़ रुपये प्राप्त किए। इसके बाद रकम को सहयोगियों के कई बैंक खातों में भेजा गया, ताकि पैसों के वास्तविक स्रोत और लेनदेन की कड़ी को छिपाया जा सके।
जांच एजेंसी के अनुसार, दोनों आरोपित डिजिटल अरेस्ट और अन्य साइबर अपराधों से हासिल रकम को निकालने के लिए बैंक खातों और एपीके फाइलों के इस्तेमाल में भी कथित रूप से शामिल थे। तलाशी के दौरान जब्त डिजिटल उपकरणों से कई आपत्तिजनक चैट, संदेश और दस्तावेज भी मिले हैं। सीबीआई अब नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान और गिरफ्तारी के प्रयास कर रही है।सीबीआई ने बताया कि ऑपरेशन चक्र-6 के तहत डिजिटल अरेस्ट से जुड़े कई मामलों की जांच विभिन्न राज्यों से अपने हाथ में ली गई है। इन मामलों में साइबर अपराधियों ने कानून प्रवर्तन और सरकारी अधिकारियों का रूप धारण कर पीड़ितों को डिजिटल रूप से हिरासत में रखने और उनसे बड़ी रकम ट्रांसफर कराने का तरीका अपनाया था।

कचहरी में युवक से अधिवक्ताओं पर मारपीट का आरोप

लोक हस्तक्षेप समाचार

वाराणसी। मिर्जापुर शहर कोतवाली क्षेत्र के विसुंदरपुर निवासी परमिला देवी ने अधिवक्ता संजय कुमार मिश्रा, विजय यादव समेत अन्य अधिवक्ताओं पर पुत्र सुजीत कुमार पाल के साथ मारपीट का आरोप लगाया है और प्राथमिकी दर्ज कराई। परमिला देवी के अनुसार, अपर प्रधान न्यायाधीश तृतीय की अदालत में सुनीता बनाम सुजीत का मामला चल रहा है। बुधवार को मुकदमे की अगली तारीख की जानकारी लेने के लिए वह अपने पुत्र के साथ अधिवक्ता चंद्रभूषण पांडेय की चौकी पर पहुंची थीं। आरोप है कि दोपहर 1-30 से 1-50 बजे के बीच सुनीता पाल के अधिवक्ता संजय कुमार मिश्रा और उनके सहयोगी विजय यादव समेत अन्य पहुंचे और सुजीत को मिलकर पीटा। पीटने के बाद उसे जमीन पर पटक दिया गया। परमिला देवी का कहना है कि मारपीट में सुजीत के सिर, आंख और सीने में चोटें आईं और वह मौके पर ही बेहोश हो गया। चंद्रभूषण पांडेय समेत अन्य अधिवक्ताओं के पहुंचने पर बीच-बचाव किया गया। सुजीत को ऑटो से जिला पहुंचाया, जहां उसका उपचार चल रहा है। कैंट थाना प्रभारी राजकिशोर पांडेय ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

कांग्रेस कार्यकर्ताओं से हर वार्ड की समस्याओं पर नजर रखने का निर्देश

लोक हस्तक्षेप समाचार

वाराणसी। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव एवं उत्तर प्रदेश के सह-प्रभारी वरुण चौधरी ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को चौतरफा नजर बनाए रखने की ताकीद की है। वह रविवार को मैदागिन स्थित कांग्रेस कार्यालय में बैठक कर रहे थे। इसमें नगर निगम के कांग्रेस पार्षद एवं पार्षद पद का चुनाव लड़ने के इच्छुक कार्यकर्ता शामिल हुए। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे की अध्यक्षता में हुई बैठक में प्रत्येक वार्ड की समस्याओं को चिह्नित किया गया। पार्षदों एवं कार्यकर्ताओं ने अपने-अपने वार्डों की स्थिति के बारे में बताया। उन्होंने वार्डों में जलभराव, सीवर की समस्या, नालियों की सफाई, कूड़ा निस्तारण, टूटी एवं जर्जर सड़कों, सफाई व्यवस्था, स्ट्रीट लाइट तथा अन्य मूलभूत नागरिक सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की।नगर निगम में भ्रष्टाचार एवं कथित अनियमितताओं के आरोपों पर भी चर्चा हुई। बैठक में चर्चा के बाद यह तय हुआ कि प्रत्येक वार्ड की समस्या को वरीयता के आधार पर सक्षम अधिकारियों तक पहुंचाया जाएगा। राष्ट्रीय सचिव वरुण चौधरी ने कार्यकर्ताओं को निर्देशित किया कि जनसमस्याओं पर चर्चा केवल बैठकों तक सीमित न रखी जाए। संबंधित विभागों एवं अधिकारियों से उनके समाधान की मांग करने में भी सक्रियता आवश्यक है। पार्षदों एवं पार्षद पद के दावेदारों से कहा कि वे अपने-अपने वार्डों में नियमित रूप से जनता के बीच जाएं। स्थानीय समस्याओं की जानकारी लें और जनहित के मुद्दों को मजबूती से सामने लाएं। नगर निगम से जुड़े कार्यों में यदि कहीं अनियमितता सामने आती है तो उसे तथ्यों एवं दस्तावेजों के आधार पर जनता के सामने रखा जाना चाहिए।वरुण चौधरी, गुलशन अली, सीताराम केशरी, डॉ. राजेश गुप्ता, सतनाम सिंह, रमजान अली, वकील अंसारी, असलम खां, मयंक चौबे, संतोष चौरसिया, हाजी ओकास, तुफैल अंसारी, बेलाल अहमद, चंचल शर्मा, पूनम विश्वकर्मा, अब्दुल हमीद डोडे, साजिद अंसारी, डाली अंसारी, विनय जायसवाल, विप्रोष शर्मा,धीरज सोनकर, अनिल पटेल आदि मौजूद रहे।

2027 में यूपी विधानसभा चुनाव लड़ेगी एलजेपी: चिराग पासवान

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर जब राज्य की प्रमुख पार्टियां भाजपा, सपा, बसपा और कांग्रेस पूरी तैयारी के साथ जुटी हैं तो इसी बीच केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री चिराग पासवान ने रविवार को बड़ा बयान दिया है। चिराग ने कहा कि उनकी पार्टी यूपी विधानसभा चुनाव 2027 का चुनाव लड़ने जा रही है। चिराग पासवान ने कहा, ÷2027 में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) उत्तर प्रदेश विधानसभा का चुनाव लड़ने जा रही है। इसमें कहीं कोई संदेह नहीं है।÷ हालांकि, चिराग ने यह नहीं बताया कि उनकी पार्टी भाजपा से गठबंधन में चुनाव लड़ेगी या फिर पार्टी अपने दम पर चुनाव लड़ेगी। उनके इस बयान के बाद उत्तर प्रदेश में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की संभावित चुनावी भूमिका को लेकर चर्चा तेज हो गई है। पार्टी लंबे समय से उत्तर प्रदेश में अपना संगठन मजबूत करने और राजनीतिक विस्तार की कोशिश कर रही है। उत्तर प्रदेश देश का सबसे बड़ा विधानसभा चुनावी राज्य है और यहां 403 विधानसभा सीटें हैं। ऐसे में किसी भी नए राजनीतिक दल के चुनाव मैदान में उतरने से मुकाबले की तस्वीर में बदलाव की संभावना रहती है। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) का यूपी चुनाव लड़ने का फैसला पार्टी के राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार की रणनीति से भी जुड़ा माना जा रहा है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि पार्टी कितनी सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी और उसका चुनावी गठबंधन किसके साथ होगा। सीटों और गठबंधन को लेकर पार्टी की ओर

से आगे क्या रणनीति सामने आती है यह देखने वाली बात होगी। चिराग पासवान की पार्टी का मुख्य राजनीतिक आधार बिहार में रहा है। अब उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव लड़ने का ऐलान पार्टी के लिए दूसरे बड़े हिंदी भाषी राज्य में विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में कई राजनीतिक दल अपनी स्थिति मजबूत करने की तैयारी कर रहे हैं। ऐसे में LJP (रामविलास) की एंट्री से खासतौर पर उन सीटों पर राजनीतिक समीकरणों को लेकर चर्चा बढ़ सकती है, जहां पार्टी अपना संगठन और सामाजिक आधार मजबूत करने में सफल होती है। चिराग पासवान के इस ऐलान ने फिलहाल इतना साफ कर दिया है कि LJP (रामविलास) 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव में अपनी मौजूदगी दर्ज कराने की तैयारी में है। अब नजर इस बात पर होगी कि पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ती है और उसका अगला राजनीतिक कदम क्या होता है।

बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने अवधूत भगवान राम को किया नमन

- निशांत कुमार बिहार के पूर्व सीएम नीतीश कुमार के हैं बेटे
- पार्टी पदाधिकारियों से मिलकर स्थानीय मुद्दों पर की चर्चा

लोक हस्तक्षेप समाचार

वाराणसी। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने वाराणसी के पड़ाव स्थित श्री सर्वेश्वरी समूह में जाकर बाबा अवधूत भगवान राम का दर्शन और नमन किया। उन्होंने मंदिर में दर्शन पूजन किया। साथ ही पार्टी के स्थानीय पदाधिकारियों से भी मुलाकात की।

निशांत कुमार का यह दौरा राजनीतिक दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने इस अवसर पर स्थानीय मुद्दों पर उन्?होंने चर्चा की और पार्टी के कार्यकर्ताओं को सक्रिय रहने के लिए प्रेरित किया। उनके साथ पार्टी के अन्य नेता भी मौजूद थे।

इस दौरान, निशांत कुमार ने कहा कि धार्मिक स्थलों का दौरा केवल आध्यात्मिक अनुभव के लिए नहीं, बल्कि सामाजिक और राजनीतिक जुड़ाव के लिए भी महत्वपूर्ण है। बताया कि वह राज्य के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं।

निशांत कुमार के इस दौरे का मुख्य उद्देश्य धार्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण ही नहीं था, बल्कि राजनीतिक दृष्टिकोण से भी उनकी सक्रियता को उनके पूर्वांचल के दौरे से आंका जा रहा है। उन्होंने अपने दौरे के दौरान यह संदेश देने का प्रयास किया कि वे जनता के बीच हैं और उनके मुद्दों को समझते हैं। बताया गया कि वह बनारस नजि दौरे पर आए हैं और सोमवार दोपहर तक यहां रहेंगे और वभिन्नि मंदरिों में दर्शन पूजन भी कर सकते हैं।

श्रमिकों की पहचान में बायोमीट्रिक हाजिरी और ई-केवाईसी अनिवार्य

फर्जी उपस्थिति और गलत भुगतान पर लगेगी रोक

लोक हस्तक्षेप समाचार

बलिया। विकसित भारत जी राम जी योजना में श्रमिकों के पंजीकरण से लेकर मजदूरी भुगतान तक की पूरी प्रक्रिया डिजिटल निगरानी में होगी। इसके लिए ग्राम्य विकास आयुक्त ने सभी जिलाधिकारियों और जिला कार्यक्रम समन्वयकों को मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का कड़ाई से अनुपालन कराने के निर्देश दिए हैं। श्रमिकों की पहचान, कौशल सत्यापन, ई-केवाईसी, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, डिजिटल मस्टर रोल और दैनिक बायोमेट्रिक उपस्थिति को प्रक्रिया का अनिवार्य हिस्सा बनाया गया है। पूर्व से पंजीकृत ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड धारकों का भी सत्यापन कर उन्हें उपयुक्त श्रेणी में मैप किया जाएगा। सत्यापन के बाद श्रमिक को नया परिचालन पंजीकरण नंबर मिलेगा, जो उसके मूल कार्ड से जुड़ा रहेगा। दैनिक बायोमेट्रिक उपस्थिति और डिजिटल मस्टर रोल लागू होने से श्रमिकों की उपस्थिति और मजदूरी भुगतान को सीधे डिजिटल निगरानी तंत्र से जोड़ा गया है। इससे फर्जी उपस्थिति दर्ज करने और गलत श्रेणी में मजदूरी भुगतान करने की आशंका पर अंकुश लगाने का प्रयास किया गया है। ग्राम्य विकास आयुक्त ने सभी जिलाधिकारियों और जिला कार्यक्रम समन्वयकों को निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) का कड़ाई से अनुपालन कराने का निर्देश दिया है। खंड विकास अधिकारी नवानगर विनोद कुमार बिंद ने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुसार कुशल और अर्धकुशल श्रमिकों का सत्यापन पारदर्शी तरीके से कराया जाएगा।

आम रास्ता और सरकारी हैंडपंप की नाली बंद करने का आरोप

ग्रामीणों ने की कार्रवाई की मांग

लोक हस्तक्षेप समाचार

उन्नाव। मौरावां थाना क्षेत्र के चंदीखेड़ा मजरे रजवाड़ा गांव में आमजन के आवागमन के रास्ते और सरकारी हैंडपंप की नाली अवरुद्ध किए जाने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने अधिकारियों को शिकायती पत्र देकर रास्ता खुलवाने और नाली की सफाई कराने की मांग की है। बता दे कि शिकायत में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि गांव के सुरेश और नरेश पुत्रगण सुंदर ने आम लोगों के आने-जाने वाले रास्ते में लकड़ी का शम्बह गाड़कर तथा बचे हुए हिस्से में जानवर बांधकर रास्ता अवरुद्ध कर दिया है। इससे ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी हो रही है और पैदल निकलना भी मुश्किल हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार, सरकारी हैंडपंप से निकलने वाले पानी की नाली में कूड़ा और मिट्टी डालकर उसे भी बंद कर दिया गया है। नाली बंद होने के कारण हैंडपंप के पास पानी का भराव हो रहा है, जिससे गंदगी और मच्छरों के पनपने की समस्या बनी हुई है। ग्रामीणों ने संबंधित अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर आम रास्ते से अवरोध हटवाने और सरकारी हैंडपंप की नाली की सफाई कराने की मांग की है।

लखीमपुर के रुरा सुल्तापुर गांव में शारदा के कटान से मचा हाहाकार

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखीमपुर खीरी। लखीमपुर के रुरा सुल्तापुर गांव में शारदा के कटान से हाहाकार मचा है। शारदा नदी का कटान तेज होने से रूरा सुल्तानपुर गांव के ग्रामीण अपने घर खुद तोड़ रहे हैं। 8 पक्के मकान और 4 झोपड़ियां चपेट में आ चुकी हैं, जिससे ग्रामीणों में दहशत है। स्थानीय निवासी रामपाल ने बताया कि वह पिछले 23 वर्षों से रूरा सुल्तानपुर गांव में रह रहे हैं। इतने लंबे समय में उन्होंने मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार के लिए आशियाना बनाया था लेकिन शारदा नदी की कटान ने उनकी वर्षों की मेहनत को खत्म कर दिया रामपाल का कहना है कि मेहनत-मजदूरी करके अपने परिवार का पालन-पोषण करते हैं।

जिले के तराई इलाके में शारदा नदी का कटान एक बार फिर ग्रामीणों के लिए मुसीबत बन गया है। करीब एक सप्ताह तक कटान की रफ्तार धीमी रहने के बाद अब रूरा सुल्तानपुर गांव के समीप शारदा नदी ने दोबारा तेजी पकड़ ली है। नदी की धारा लगातार गांव की ओर बढ़ रही है। हालात यह हैं कि कई मकानों के बेहद शारदा नदी के किनारे पहुंच गए हैं।

कटान के खतरे को देखते हुए ग्रामीणों में दहशत का माहौल है. सबसे दर्दनाक तस्वीर रूरा सुल्तानपुर गांव से सामने आ रही है, जहां ग्रामीण अपने हाथों से बनाए आशियानों को खुद ही तोड़ने के लिए मजबूर हैं। जिन हाथों ने वर्षों की मेहनत से ईंट, मिट्टी और पसीने से घर बनाया था, आज उन्हीं हाथों में हथौड़ा है ग्रामीण मकानों की दीवारें तोड़कर ईंटें और जरूरी सामान निकाल रहे हैं, ग्रामीण बताते हैं कि कम से कम कुछ सामान सुरक्षित बचाया जा सके। कटान पीड़ित रामपाल ने बताया कि शारदा नदी का कटान एक बार फिर तेज हो गया है। नदी अब उनके घर के बिल्कुल करीब पहुंच चुकी है। ऐसे में परिवार की सुरक्षा को देखते हुए अपने आशियाने को नष्ट कर रहे हैं।

घर ही सुरक्षित नहीं रहेगा तो परिवार को लेकर कहां जाएंगे, यह सबसे बड़ा सवाल है। नदी की लगातार बढ़ती कटान ने ग्रामीणों की चिंता और बढ़ा दी है।

क्षेत्रीय लेखपाल राजीव वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि अब तक रूरा सुल्तानपुर गांव में शारदा नदी के कटान की वजह से करीब आठ पक्के मकान और चार झोपड़ियां नदी की चपेट में आ चुकी हैं। कई अन्य मकानों पर भी खतरा मंडरा रहा है। ग्रामीणों को सतर्क रहने के लिए लगातार जागरूक किया जा रहा है। ग्रामीणों को डर है कि अगर नदी का कटान इसी रफ्तार से जारी रहा तो आने वाले दिनों में और मकान कटान की जद में आ सकते हैं।

कटान की वजह से ग्रामीणों को अपना घर छोड़ने की चिंता सता रही है। कई परिवार अपने जरूरी सामान को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने में जुटे हुए हैं। कुछ ग्रामीण मकानों को स्वयं तोड़कर ईंट और अन्य निर्माण सामग्री निकाल रहे हैं, ताकि उन्हें पूरी तरह से नदी में बह जाने से पहले बचाया जा सके।

शारदा नदी का कटान सिर्फ जमीन को नहीं कट रही, बल्कि ग्रामीणों के वर्षों पुराने सपनों को भी अपने साथ बहा रही है. जिन घरों में कभी बच्चों की किलकारियां गूंजती थीं, वहां अब ग्रामीण हथौड़े से दीवारें तोड़ते नजर आ रहे हैं. ग्रामीणों के लिए सबसे बड़ी समस्या यह है कि मकान नष्ट होने के बाद उनके सामने रहने की जगह का संकट खड़ा हो जाएगा। लगातार बारिश और नदी के बढ़ते कटान ने पहले ही ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ा रखी हैं खेती और मजदूरी पर निर्भर परिवारों के लिए घर का उजड़ना बड़ा आर्थिक झटका है।

करणी सेना के जिलाध्यक्ष को हाउस अरेस्ट करने पर हंगामा

- यूजीसी विरोध प्रदर्शन में जाने को लेकर हुई कार्रवाई
- कार्यकर्ताओं ने शास्त्री घाट जाने की कोशिश में पुलिस से की धक्का-मुक्की

लोक हस्तक्षेप समाचार

वाराणसी। वाराणसी में यूजीसी के विरोध में शास्त्री घाट पर चल रहे अनशन के समर्थन में जाने से पहले रविवार दोपहर करणी सेना के जिलाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह को पार्वती नगर स्थित उनके आवास पर पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया। इसकी जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में करणी सेना के कार्यकर्ता उनके आवास पर पहुंचने लगे। स्थिति को देखते हुए वहां भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया।करणी सेना के जिलाध्यक्ष और कार्यकर्ता शास्त्री घाट जाने बाद में कार्यकर्ता महावीर चौराहे की ओर बढ़े तो वहां नारेबाजी के बीच अफरातफरी की स्थिति बन गई और चारों तरफ जाम लग गया। पुलिस ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो धक्का-मुक्की भी हुई। कार्यकर्ता शास्त्री घाट जाने की जिद पर अड़े रहे और वहीं बैठ गए।

इधर, शास्त्री घाट पर भी भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस अधिकारियों ने आलोक कुमार सिंह को समझाकर धरना न देने की अपील की। कैंट एसीपी प्रज्ञा पाठक के समझाने के बाद जिलाध्यक्ष ने शास्त्रीघाट न जाने पर सहमति जताई। हालांकि उन्होंने कहा कि शांतिपूर्ण ढंग से धरना दे रहे लोगों को रात में उठाकर अस्पताल भेजना गलत है। तीन अलग-अलग लोगों को तीन अस्पतालों में भर्ती कराया जाना भी उचित नहीं है।

आलोक सिंह ने कहा कि यूजीसी के विरोध में करणी सेना भी है। और सरकार को यूजीसी वापस लेना चाहिए। उन्होंने इसे लेकर संगठन की ओर से बड़े आंदोलन की बात कही। बताया कि करणी सेना के प्रदेश अध्यक्ष जल्द वाराणसी में आंदोलन करेंगे। जिसकी तारीख बाद में घोषित की जाएगी।

बारिश के चलते यूपी में यहां कल बंद रहेंगे स्कूल

भारी बारिश और जलभराव की चेतावनी के चलते जिलाधिकारी के निर्देश पर 28 सितंबर को कक्षा 1 से 12वीं तक के सभी बोर्डों के स्कूलों में छुट्टी घोषित

लोक हस्तक्षेप समाचार

लखीमपुर खीरी। जिले में भारी बारिश और जलभराव की आशंका को देखते हुए जिला प्रशासन ने सभी स्कूलों में एक दिन के अवकाश की घोषणा कर दी है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय की तरफ से 27 सितंबर 2026 को जारी किए गए आदेश के मुताबिक जिलाधिकारी के निर्देश पर 28 सितंबर 2026 को जिले के सभी स्कूलों में छुट्टी रहेगी. यह आदेश पत्रांक आशु0/5920-30/2026-27 के तहत जारी किया गया है, जिसमें साफ कहा गया है कि अत्यधिक वर्षा, जलभराव और अतिवृष्टि की स्थिति को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया है। जारी किए गए आदेश के मुताबिक यह अवकाश जिले के परिषदीय, मान्यता प्राप्त और सहायता प्राप्त सभी स्कूलों पर लागू होगा।.इसके अलावा ष्ठक्चस्श्व, ढ्ढष्टस्श्व और अन्य बोर्ड से संचालित हिंदी व अंग्रेजी माध्यम के स्कूल भी इस आदेश के दायरे में आएंगे। खास बात यह है कि यह छुट्टी सिर्फ किसी एक कक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि नर्सरी से लेकर कक्षा 12 तक के सभी विद्यार्थियों पर लागू होगी। जिला प्रशासन ने यह फैसला बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया है। भारी बारिश की वजह से सड़कों पर जलभराव होने और स्कूल आने-जाने के दौरान बच्चों को होने वाली परेशानी को टालने के मकसद से यह अवकाश घोषित किया गया है।

बलिया में आज लगेगा विशाल रोजगार मेला

- टाटा मोटर्स, महिंद्रा समेत 30 से अधिक कंपनियां करेंगी भर्ती
- चयनित अभ्यर्थियों को 12 हजार से 35 हजार रुपये प्रतिमाह तक मिलेगी वेतन

लोक हस्तक्षेप समाचार

बलिया। रोजगार की तलाश कर रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। सेवा संकल्प अभियान एवं उत्तर प्रदेश रोजगार मिशन के तहत रसड़ा विधानसभा क्षेत्र में 28 सितंबर को एक दिवसीय वृहद रोजगार मेला आयोजित होगा। मेला आशीर्वाद धर्मशाला, श्रीनाथजी मठ, रसड़ा में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। इसमें 30 से अधिक कंपनियां और नियोक्ता विभिन्न पदों पर अभ्यर्थियों का निःशुल्क चयन करेंगे।

सुरक्षा गार्ड, ऑपरेशन असिस्टेंट, मशीन ऑपरेटर, हेल्पर, कंस्ट्रक्शन वर्कर, सेल्स ऑफिसर, सुपरवाइजर, टेक्नीशियन और ईवी तिपहिया चालक सहित कई पदों पर भर्ती होगी। चयनित अभ्यर्थियों को पद के अनुसार 12 हजार से 35 हजार रुपये प्रतिमाह तक सीटीसी मिलेगा।

टाटा मोटर्स, एलएंडटी, महिंद्रा, अशोक लेलैंड, एमआरएफ टायर्स, ब्लिंकिट, हिंदाल्को समेत अन्य कंपनियां शामिल होंगी। बीवीजी इंडिया सर्विसेज की ओर से दुबई में रोजगार के लिए भी पंजीयन कराया जाएगा।स्टील फिक्सर, शटरिंग कारपेंटर, प्लास्टर मेसन और कंस्ट्रक्शन हेल्पर के पद शामिल हैं। आठवीं, 10वीं, 12वीं, स्नातक, परास्नातक, आईटीआई, डिप्लोमा और कौशल प्रशिक्षित अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं।

अभ्यर्थियों को रोजगार संगम पोर्टल पर पंजीयन कर 28 सितंबर को मूल शैक्षिक प्रमाणपत्र और छायाप्रति के साथ पहुंचना होगा। अधिक जानकारी के लिए 155330 हेल्पलाइन या जिला सेवायोजन कार्यालय से संपर्क किया जा सकता है।

वाराणसी में सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज का बड़ा बयान : योगी जी में पीएम बनने की दक्षता

हम चाहते है की देश में हो सीएम योगी में पीएम बनने की दक्षताः सद्गुरु ऋतेश्वर

लोक हस्तक्षेप समाचार

वाराणसी । सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज वाराणसी में एक कार्यक्रम आए है। उन्होंने सीएम योगी के पक्ष में एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा की कोई भी व्यक्ति अपने कर्मो, कार्यों और दक्षता से आगे आता है। योगी जी ने बहुत दक्षता दिखाई है। सबसे बड़े राज्य को उन्होंने ट्रीट किया है। यहां के वो शासक हैं और संभावनाएं हैं की वो पीएम बन सकते हैं। हम चाहते हैं की देश में रामराज्य हो।राम मंदिर चंदा चोरी पर उन्होंने कहा की सतयुग से चोरी होती चली आ रही है। ऐसे में त्रेता युग में माता सीता का अपहरण हुआ था। यह सदा से चलता आया है। अच्छा यह है कि इस सरकार में तत्काल एक्शन हो रहा है। वहीं चुनाव आयुक्त के मामले में उन्होंने कहा - लोकतंत्र में एक पक्ष होता है एक विपक्ष होता है। इलेक्शन कमीशन का काम होता है इलेक्शन करवाना। उनके मन में शंका या संदेह है तो आप के पास उपाय है। की आप अपने पक्ष को रख सकें। तो आरोप और प्रत्यारोप चलते रहते हैं। भारत आगे बढ़ रहा है और जब कोई राष्ट्र आगे बढ़ता है तो कुछ न कुछ कहीं न कहीं कमियां रहती हैं। उन कमियों को दूर करने का काम भी मनुष्य का काम है। वाराणसी पहुंचे ऋतेश्वर महाराज ने सीएम योगी के प्रधानमंत्री की संभावनाओं पर कहा - इस लोकतान्त्रिक देश में जब मोदी जी प्रधानमन्त्री बने थे। तो यह सब जनता है कि वो कभी चाय बेचा करते थे। तब कोई पूछा था कि चाय वाले को आप प्रधानमंत्री बनायंगे। कोई भी व्यक्ति अपने कर्मो, कार्यों और दक्षता से आगे आता है। योगी जी ने बहुत दक्षता दिखाई है। सबसे बड़े राज्य को उन्होंने ट्रीट किया है। यहां के वो शासक हैं और संभावनाएं हैं। हम तो चाहते हैं कि साधु, संत सनातन संस्कार का व्यक्ति सबसे ऊपर बैठे। और यहां रामराज्य हो और लॉ एन्ड ऑर्डर बना रहे। राम मंदिर चोरी मामले में पर उन्होंने कहा - सतयुग से चोरी हो रही है। उस समय पृथ्वी चोरी हो गयी थी। त्रेता युग में भगवान् की अर्धांगनी माता सीता का अपहरण हो गया था। तो ऐसा नहीं है। यह सदा से चलता आया है। देखिये वहां क्या हुआ। जो शासन जो सत्ता किसी भी अपराध पर तत्काल एक्शन लेती हो तो उसे रामराज्य मानते हैं। इस सरकार में तत्काल एक्शन हो रहा है। घटनाए नहीं होगी ऐसा नहीं हो सकता।

इंटरनेशनल ट्रेड शोरू सजा 75 जिलों की 75 महिला उद्यमियों का ग्रामीण बाजार

लखनऊ संवाददाता । आगरा की जरी-जरदोजी, अमरोहा के मसाले, अयोध्या की हर्बल चाय, आजमगढ़ की ब्लैक पॉटरी, कन्नौज का इत्र, गोरखपुर की टेराकोटा ज्वेलरी और बनारस के कालीन ट्रेड शो में नाम कमा रहे हैं। उत्तर प्रदेश के गांवों और कस्बों में महिलाओं के हाथों तैयार हो रहे उत्पाद अब स्थानीय हाट-बाजार की सीमा से निकलकर बड़े बाजार की ओर बढ़ रहे हैं। ग्रेटर नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में प्रदेश के 75 जिलों से पहुंची स्वयं सहायता समूहों की महिला उद्यमियों ने अपने हुनर से उत्तर प्रदेश की ऐसी ही तस्वीर सामने रखी है।यहां सिर्फ उत्पाद नहीं बिक रहे, बल्कि हर स्टॉल के साथ किसी गांव, किसी परंपरागत कला और उसे रोजगार में बदलने वाली महिला की कहानी भी जुड़ी है। आगरा की रहनुमा जरी-जरदोजी लेकर पहुंची हैं तो अमरोहा की कौशल्या गौतम के पिसे मसाले अपनी महक बिखेर रहे हैं। अयोध्या की रेणु सिंह की हर्बल चाय और लेमन ग्रास के उत्पाद हैं तो आजमगढ़ की रीता प्रजापति ब्लैक पॉटरी को बड़े बाजार के सामने लेकर आई हैं। कन्नौज की तारावती के पास इत्र है, जबकि वाराणसी की सीता देवी कालीन, फुटमैट और रनर के जरिए बनारस के हुनर की नुमाइंदगी कर रही हैं।यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत गठित स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं के लिए यह भागीदारी महज प्रदर्शनी तक सीमित नहीं है। यहां उन्हें अपने उत्पाद बेचने के साथ ग्राहक की पसंद समझने, पैकेजिंग और प्रस्तुति देखने तथा बड़े बाजार में अपने उत्पाद की संभावनाएं तलाशने का अवसर मिल रहा है।प्रदेश के एक छोर से दूसरे छोर तक बदलते ही उत्पाद भी बदल रहे हैं। कहीं परंपरागत शिल्प बाजार में जगह बना रहा है तो कहीं गांव की महिलाओं ने रोजमर्रा की जरूरत के उत्पादों को अपने उद्यम का आधार बनाया है। गोरखपुर की सरोज पाल टेराकोटा ज्वेलरी लेकर आई हैं तो सहारनपुर की सुधा सैनी लकड़ी के हस्तशिल्प और खिलौनों के साथ ट्रेड शो में पहुंची हैं। प्रयागराज की तब्बसुम मकसूद मूंज से टोकरी, डलिया और सजावटी सामान तैयार कर रही हैं। प्रतापगढ़ की प्रज्ञा जायसवाल आंवला-मुरब्बा और आम का अचार लेकर आई हैं। महोबा की रानी के स्टॉल पर पीतल की मूर्तियां और दूसरे शिल्प उत्पाद हैं।सिद्धार्थनगर की सरोज देवी ने केले के रेशे को उद्यम में बदलकर बनाना फाइबर उत्पाद तैयार किए हैं। सोनभद्र की मधुबाला हर्बल साबुन, शहद, फिनाइल और जूट बैग के साथ पहुंची हैं, जबकि खीरी की शफीका जूते, चप्पल और बेल्ट जैसे उत्पाद लेकर आई हैं।चित्रकूट की प्रिया सिंह के लकड़ी के खिलौने, बुलंदशहर की शाहजहां की खुर्जा पॉटरी, कन्नौज की तारावती का इत्र, मथुरा की रेखा के टेराकोटा और मिट्टी के उत्पाद तथा ललितपुर की लीला देवी के गोमय उत्पाद इस विविधता को और विस्तार देते हैं।राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के मिशन निदेशक अरुण कुमार ने बताया कि ट्रेड शो में महिला समूहों की उद्यमशीलता का दायरा केवल पारंपरिक हस्तशिल्प तक सीमित नहीं है। चंदौली की अंजू जरी-जरदोजी सिल्क, बनारसी साड़ी, सूट और दुपट्टे लेकर आई हैं। बाराबंकी की शशि माला चिकनकारी, आर्टिफिशियल आभूषण, रायबरेली की रूबी बानो हैंड ब्लॉक प्रिंट के सूट, साड़ी और दुपट्टे तथा मऊ की माधुरी देवी सिल्क साड़ी प्रदर्शित कर रही है। बलिया की रंजना देवी फिनाइल, टॉयलेट क्लीनर, डिशवॉश और हैंडवॉश लेकर आई हैं। जौनपुर की सुषमा सिंह भी क्लीनिंग उत्पादों के साथ मौजूद हैं। मुजफ्फरनगर की दीपिका साबुन, सर्फ और हर्बल तेल तथा कौशाम्बी की शिमला देवी कुशवाहा अचार और देसी घी के साथ क्लीनर व हैंडवॉश जैसे उत्पाद लेकर पहुंची हैं। इस विविधता में गांव की परंपरा भी है। बदलते बाजार के साथ कदम मिलाता ग्रामीण उद्यमभी।स्वयं सहायता समूहों के लिए किसी उत्पाद को तैयार करना कारोबार की पहली सीढ़ी है। सबसे बड़ी चुनौती ग्राहक और बाजार तक पहुंचने की होती है। इंटरनेशनल ट्रेड शो इस दूरी को कम करने का माध्यम बन रहा है।

प्राकृतिक आपदा से प्रभावित लोगों की हरसंभव मदद करें राज्य सरकारें : मायावती

लखनऊ संवाददाता बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने देश के विभिन्न हिस्सों में भारी वर्षा, आंधी और तूफान के कारण उत्पन्न हालात पर चिंता जताते हुए संबंधित राज्य सरकारों से प्रभावित लोगों की हर स्तर पर पूरी मदद करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा की मार झेल रहे लोगों को तत्काल राहत उपलब्ध कराना सरकारों की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए।मायावती ने विशेष रूप से महाराष्ट्र के कई इलाकों में सूखे की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां प्रभावित लोगों और खासकर किसानों को केवल औपचारिक राहत देने के बजाय जमीनी स्तर पर वास्तविक मदद पहुंचाई जानी चाहिए। किसानों को तत्काल राहत उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार को प्रभावी कदम उठाने चाहिए।उन्होंने बताया कि देश में बसपा के संगठन को मजबूत करने और सर्वसमाज में पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के उद्देश्य से पार्टी संगठन को तीन सेक्टरों में बांटा गया है। पहले सेक्टर में 10 राज्य शामिल किए गए हैं, जिनकी जिम्मेदारी राज्यसभा सांसद रामजी गौतम और सुरेश राव को केंद्रीय सेक्टर प्रभारी के रूप में दी गई है। दूसरे सेक्टर में नौ राज्य शामिल हैं और इसकी जिम्मेदारी पूर्व राज्यसभा सांसद राजाराम तथा पूर्व विधायक अतरसिंह राव को दी गई है। तीसरे सेक्टर में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड को रखा गया है, जिनका कार्य लखनऊ स्थित पार्टी के केंद्रीय कार्यालय से सीधे देखा जा रहा है।मायावती ने पहले और दूसरे सेक्टर के केंद्रीय प्रभारियों से अपील की कि उनके अधीन आने वाले राज्यों में जहां भी भारी वर्षा, तूफान अथवा अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण बड़े पैमाने पर जन-धन की क्षति हुई है, वहां बसपा के कार्यकर्ता अपनी क्षमता के अनुसार प्रभावित लोगों की मदद करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके लिए पार्टी कार्यकर्ताओं को अलग से धन एकत्र नहीं करना है, ताकि राहत कार्य की आड़ में किसी प्रकार का अनुचित लाभ उठाने की गुंजाइश न रहे।मायावती ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर अधिक प्रभावित राज्यों में बसपा के राष्ट्रीय प्रभारी ईशान आनंद को भी भेजा जा सकता है। उन्होंने कहा कि सेक्टर तीन में शामिल उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की स्थिति पर उनकी स्वयं भी नजर है और जरूरत पड़ने पर वह प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर सकती हैं।बसपा प्रमुख ने केंद्र सरकार से भी अनुरोध किया कि जिन राज्यों में प्राकृतिक आपदा का प्रभाव अधिक है, वहां की राज्य सरकारों को समय रहते हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाए, ताकि प्रभावित लोगों को राहत पहुंचाने के काम में तेजी लाई जा सके।

बच्चे जन्मदिन पर पौधा रोपण और अन्न दान करें: डॉ सूर्य कान्त

लखनऊ,। श्रद्धेय अशोक सिंघल जी के जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर रविवार, 27 सितंबर 2026 को एसकेडी अकादमी, वृंदावन कॉलोनी, लखनऊ में सांस्कृतिक गौरव संस्थान की ओर से संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय प्रचारक प्रमुख स्वांत रंजन जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सांस्कृतिक गौरव संस्थान अवध प्रांत के अध्यक्ष डॉ. सूर्यकान्त ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में खंड शिक्षा अधिकारी-3 श्री परमेंद्र शुक्ला और संस्था के सचिव कृष्ण कुमार शुक्ला उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि स्वांत रंजन जी ने श्रद्धेय अशोक सिंघल जी के जीवन एवं कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहा कि हिंदू समाज के जागरण और विभिन्न आंदोलनों में उनका योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा। उन्होंने साधु-संतों को एकजुट करने तथा समाज को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राम जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन के लिए उनके प्रयासों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। बच्चों को उनके जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। डॉ. सूर्यकान्त ने सनातन संस्कारों में स्वास्थ्य और स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जन्म के लगभग छह माह बाद होने वाला अन्नप्राशन संस्कार केवल एक धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि शिशु के जीवन में एक नई शुरुआत का संस्कार है। उन्होंने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में स्वच्छता को सदैव विशेष महत्व दिया गया है। हाथों की स्वच्छता (भ्ंदक भ्लहपमदम) भी हमारी जीवन-पद्धति का महत्वपूर्ण हिस्सा रही है, जो आज के समय में भी मानव स्वास्थ्य और संक्रमण से बचाव के लिए अत्यंत उपयोगी है। उन्होंने कहा कि सनातन परंपरा में संस्कार भी हैं और स्वास्थ्य का विज्ञान भी। डॉ. सूर्यकान्त ने बच्चों के जन्मदिन को भी सनातन संस्कारों और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जन्मदिन की सुबह बच्चों के माथे पर तिलक अवश्य लगाना चाहिए, क्योंकि सनातन परंपरा में इसका विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि जन्मदिन के अवसर पर गुड़ से बने गुलगुले और पूये बनाकर स्वयं भी खाएं और दूसरों को भी खिलाएं।

भगत सिंह की जयंती पर आप ने प्रदेशभर में लगाया रक्तदान शिविर, युवाओं ने बढ़-चढ़कर किया रक्तदान

लखनऊ, संवाददाता। अमर शहीद भगत सिंह की जयंती के अवसर पर आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी एवं राज्यसभा सदस्य संजय सिंह के आह्वान पर रविवार को प्रदेशभर में राष्ट्रसेवा के तहत विशाल रक्तदान शिविर आयोजित किए गए। हमीरपुर, फतेहपुर, फिरोजाबाद, सुल्तानपुर, सहारनपुर, आगरा, गोरखपुर, हापुड़, अंबेडकरनगर, गौतमबुद्धनगर, गोंडा, बरेली, गाजीपुर, सोनभद्र और चित्रकूट समेत प्रदेश के सभी जिलों में पार्टी कार्यकर्ताओं ने रक्तदान किया। लखनऊ में किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के शताब्दी विभाग में आयोजित रक्तदान शिविर में जिलाध्यक्ष इरम रिजवी के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और बड़ी संख्या में युवाओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर शहीद भगत सिंह को श्रद्धांजलि अर्पित की।रक्तदान शिविर का उद्घाटन करते हुए जिलाध्यक्ष इरम रिजवी ने कहा कि भगत सिंह ने देश की आजादी और स्वाभिमान के लिए हंसते-हंसते अपने प्राणों की आहुति दी थी। उन्होंने कहा कि आजादी के लिए देशभक्तों ने अपना खून बहाया था और आज हमारा दायित्व है कि जरूरतमंद लोगों की जान बचाने के लिए रक्तदान करें। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी केवल चुनावी राजनीति तक सीमित नहीं है, बल्कि शहीदों के विचारों को समाजसेवा और राष्ट्र निर्माण के कार्यों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है।इरम रिजवी ने कहा कि अस्पतालों में कई बार गरीब और असहाय परिवारों को समय पर रक्त उपलब्ध नहीं हो पाता। दुर्घटनाओं और गंभीर बीमारियों के मामलों में रक्त की कमी मरीजों और उनके परिवारों के लिए बड़ी समस्या बन जाती है। ऐसे समय में किसी व्यक्ति द्वारा दिया गया रक्त का एक-एक कतरा किसी जरूरतमंद की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं की ओर से किया गया रक्तदान जरूरतमंद मरीजों को जीवन बचाने में मदद करेगा।उन्होंने कहा कि भगत सिंह ऐसे भारत का सपना देखते थे, जहां प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार मिले और कोई व्यक्ति भूखा या असहाय न रहे। युवाओं को उनके विचारों से प्रेरणा लेकर समाजसेवा के कार्यों में आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान जैसे कार्य समाज के प्रति जिम्मेदारी और मानव सेवा की भावना को मजबूत करते हैं।इरम रिजवी ने बताया कि संजय सिंह के आह्वान पर प्रदेश के सभी जिलों में पार्टी कार्यकर्ताओं ने एकजुट होकर रक्तदान अभियान चलाया। उन्होंने दावा किया कि प्रदेशभर में युवाओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ भाग लेते हुए सैकड़ों यूनिट रक्तदान किया। पार्टी पदाधिकारियों ने रक्तदान करने वाले सभी युवाओं और रक्तदाताओं का आभार जताते हुए लोगों से समय-समय पर रक्तदान करने की अपील की।इस अवसर पर विवेक सिंह, विकास सिंह, माजिद, अनूप पाल, ज्ञान सिंह, जावेद, प्रेरणा, सुरभि, उमराह, उमेश, शहाना, आरिफा, शाहीन, निखत, खालिदा, गुलफिशा, माजदा, शोएब, किरन, रोहित, आफरीन, इशरत, जिया, सौम्या, सादिया, फामिदा, फराह जहां, नसरीन, मोहम्मद कलीम और रूही समेत बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और गणमान्य लोग मौजूद रहे।

बारिश के बीच मंत्री ए.के. शर्मा ने लखनऊ में जलभराव और जल निकासी व्यवस्था का लिया जायजा

लखनऊ। नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने राजधानी में लगातार हो रही बारिश के बीच रविवार को विभिन्न क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण कर जलभराव और जल निकासी की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने जनेश्वर मिश्र पार्क, अंबेडकर मेमोरियल पार्क के पास अंडर ब्रिज, इंदिरा नगर के सी ब्लॉक, रहीम नगर और महानगर सहित विभिन्न इलाकों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को बारिश के दौरान पूरी तरह सतर्क रहने और जहां भी जलभराव की स्थिति बने, वहां तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।मंत्री ने जनेश्वर मिश्र पार्क और अंबेडकर मेमोरियल पार्क के पास स्थित अंडर ब्रिज का निरीक्षण किया। उन्होंने बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति की जानकारी ली और अंडर ब्रिज में पानी न लगने पर संतोष जताया। उन्होंने नगर आयुक्त गौरव कुमार को राजधानी के सभी अंडरपास और अंडर ब्रिज को चिन्हित कर उनकी जल निकासी व्यवस्था की समीक्षा करने तथा भविष्य में जलभराव की समस्या न हो, इसके लिए स्थायी व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इसके बाद ए.के. शर्मा इंदिरा नगर के सी ब्लॉक पहुंचे और नाले तथा जल निकासी व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने स्थानीय नागरिकों से भी बातचीत कर बारिश के दौरान जलभराव की स्थिति की जानकारी ली। क्षेत्रवासियों ने बताया कि नाला बन जाने के बाद इस वर्ष बारिश में जलभराव की समस्या नहीं हुई है। इस पर स्थानीय लोगों ने जल निकासी व्यवस्था में सुधार के लिए मंत्री का आभार जताया।मंत्री ने रहीम नगर और महानगर क्षेत्र में भी नालों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बारिश के दौरान सभी क्षेत्रों की लगातार निगरानी की जाए और जहां जलभराव हो, वहां तत्काल पंपिंग, सफाई और जल निकासी के जरूरी उपाय किए जाएं। उन्होंने नगर आयुक्त को राजधानी के सभी निचले इलाकों को चिन्हित कर जलभराव की समस्या के स्थायी समाधान के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।ए.के. शर्मा ने कहा कि लखनऊ में पिछले 20 वर्षों के वर्षा रिकॉर्ड में दर्ज बारिश के बावजूद लगातार दो-तीन दिन हुई बारिश के बाद भी जल निकासी के लिए किए गए कार्यों के कारण इस वर्ष राजधानी में गंभीर जलभराव की स्थिति नहीं बनी है।

पंकज चौधरी ने सोनिया गांधी के मतदाता मामले पर उठाए सवाल

लखनऊ,संवाददाता। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर उत्तर प्रदेश में सियासी घमासान तेज हो गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को अपने सरकारी आवास पर पत्रकारों से बातचीत में कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल समेत विपक्षी दलों पर संवैधानिक संस्थाओं और चुनाव प्रक्रिया को लेकर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। वहीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने प्रदेश भाजपा मुख्यालय में पत्रकार वार्ता कर विपक्ष के रुख पर सवाल उठाते हुए मतदाता सूची और प्रपत्र-6 से जुड़े मामलों को उठाया। दोनों नेताओं ने विपक्ष से अपने बयानों और आरोपों को लेकर जनता के सामने स्थिति स्पष्ट करने की मांग की।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एसआईआर पहली बार नहीं हो रहा है। निर्वाचन आयोग के उपलब्ध आधिकारिक दस्तावेजों में भी पूर्व में विशेष गहन पुनरीक्षण की विभिन्न कार्रवाइयों का उल्लेख है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 1952, 1957, 1961, 1965-66 और 2003 में भी इस तरह की प्रक्रिया अपनाई गई थी। उन्होंने कांग्रेस, सपा और राजद समेत विपक्षी दलों की ओर से एसआईआर को लेकर उठाए जा रहे सवालों को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

योगी ने कहा कि देश में लंबे समय तक शासन करने वाली कांग्रेस लगातार चुनाव आयोग को कठघरे में खड़ा कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी दल चुनाव में सफलता मिलने पर इसे अपनी राजनीतिक उपलब्धि बताते हैं, लेकिन चुनाव परिणाम प्रतिकूल आने पर चुनाव आयोग और इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों पर सवाल उठाते हैं। उन्होंने विपक्षी दलों से अपने बयानों पर आत्मावलोकन करने को कहा।मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष की ओर से विभिन्न संवैधानिक संस्थाओं पर लगातार सवाल उठाए जाते रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी के कैंब्रिज में दिए गए वक्तव्य का उल्लेख करते हुए न्यायपालिका की निष्पक्षता पर सवाल उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने राफेल मामले में नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियों पर कांग्रेस की आपत्तियों का भी जिक्र किया। योगी ने कहा कि जिन इलेक्ट्रॉनिक मतदान मशीनों से केंद्र और विभिन्न राज्यों में कांग्रेस की सरकारें बनीं, उन्हीं मशीनों को बाद में 'ब्लैक बॉक्स' बताकर चुनाव व्यवस्था पर सवाल उठाना उचित नहीं है।योगी ने कांग्रेस पर संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति असम्मान का आरोप लगाते हुए आपातकाल का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 25 जून 1975 को लगाए गए आपातकाल के दौरान लोकतांत्रिक संस्थाओं और विपक्ष के साथ जो व्यवहार हुआ, उसे देश भूला नहीं है। उन्होंने बालाकोट हवाई कार्रवाई और ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सैनिकों के शौर्य पर विपक्ष की ओर से उठाए गए सवालों का भी उल्लेख किया और कहा कि ऐसी गतिविधियों से बचना चाहिए।मुख्यमंत्री ने कहा कि एसआईआर की प्रक्रिया में जिन मतदाताओं का नाम छूट गया है, उन्हें प्रपत्र-6 के माध्यम से पंजीकरण का अवसर दिया गया है। निर्वाचन आयोग के वर्तमान नागरिक सेवा पोर्टल पर भी नए मतदाता पंजीकरण के लिए प्रपत्र-6 भरने की सुविधा उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि इसके बावजूद चुनाव आयोग और अन्य संवैधानिक संस्थाओं को लगातार कठघरे में खड़ा करना लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास पैदा करने वाला कदम है। योगी ने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा, तोड़फोड़ और दुष्प्रचार के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए तथा कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों को अपनी गैरजिम्मेदाराना गतिविधियों पर नियंत्रण रखना चाहिए।इसी मुद्दे पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने प्रदेश भाजपा मुख्यालय में पत्रकार वार्ता कर विपक्ष पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों से संवैधानिक संस्था को लेकर विवाद खड़ा किया जा रहा है और विपक्ष को इस पर अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। पंकज चौधरी ने प्रपत्र-6 में बदलाव किए जाने का आरोप लगाते हुए कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी की नागरिकता और मतदाता सूची से जुड़े मामले को भी उठाया। उन्होंने दावा किया कि सोनिया गांधी को वर्ष 1983 में भारतीय नागरिकता मिली थी और आरोप लगाया कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर उनका नाम मतदाता सूची में दर्ज कराया गया। उन्होंने कहा कि यह मामला न्यायालय के समक्ष भी उठ चुका है।पंकज चौधरी ने विपक्ष पर संवैधानिक संस्था को बदनाम करने का आरोप लगाते हुए कहा कि इस पूरे प्रकरण को लेकर संबंधित लोगों को देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए।

संक्षिप्त समाचार

सुरक्षा से सुविधा तक लखनऊ मंडल में बदलाव की नई तस्वीर

लखनऊ संवाददाता । पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल के नेतृत्व में रेल संचालन को सुरक्षित, सुगम और यात्री सुविधाओं के लिहाज से बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। मंडल में संरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के साथ यात्री सुविधाओं, स्वच्छता, आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल और रेल कर्मचारियों के प्रोत्साहन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।रेल संचालन की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए कवच जैसी आधुनिक सुरक्षा तकनीक को बढ़ावा देने के साथ रेल पटरियों, संकेत प्रणाली, विद्युत उपकरणों तथा पुल-पुलियों की नियमित निगरानी की जा रही है। बारिश के दौरान रेल संचालन में आने वाली संभावित चुनौतियों को देखते हुए संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी और गश्त की व्यवस्था की जा रही है। साथ ही जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए जल निकासी व्यवस्था पर भी विशेष ध्यान दिया जा रहा है।मंडल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल की कार्यशैली में मैदानी निरीक्षण और त्वरित निगरानी को प्राथमिकता दी जा रही है। स्टेशनों और रेल परिसरों में स्वच्छता व्यवस्था की नियमित समीक्षा के साथ यात्रियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की भी लगातार जांच की जा रही है। इसका उद्देश्य यात्रियों को स्टेशनों पर बेहतर वातावरण और आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है।रेल प्रशासन की ओर से बेहतर कार्य करने वाले कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने और उनके योगदान को सम्मान देने की पहल भी की जा रही है। विशेष रूप से रेल संचालन की संरक्षा से जुड़े कर्मचारियों के उत्कृष्ट कार्यों को पहचानकर उन्हें सम्मानित किया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों में जिम्मेदारी और उत्साह की भावना को बढ़ावा मिल सके।लखनऊ मंडल में रेल प्रशासन का मुख्य जोर सुरक्षित रेल संचालन, यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और आधुनिक तकनीक का प्रभावी इस्तेमाल करने पर है। संरक्षा व्यवस्था की निगरानी, यात्री सुविधाओं में सुधार, स्वच्छता और कर्मचारियों के प्रोत्साहन से जुड़े इन प्रयासों के माध्यम से मंडल में रेल सेवाओं को अधिक सुरक्षित, सुगम और सुविधाजनक बनाने की दिशा में काम किया जा रहा है।

बैंक हड़ताल से पहले आज खुले रहेंगे बैंक, ग्राहकों को निपटाने होंगे जरूरी काम

लखनऊ संवाददाता । यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल को देखते हुए रविवार को प्रयागराज समेत देशभर के सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक सामान्य कार्यदिवस की तरह खुले रहेंगे। भारतीय रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय के निर्देश पर रविवार को बैंक शाखाओं, एटीएम से जुड़ी शाखाओं तथा करेंसी चेस्ट को खुला रखने का विशेष निर्णय लिया गया है, ताकि हड़ताल से पहले ग्राहकों को नकदी निकासी, चेक क्लीयरेंस और अन्य जरूरी बैंकिंग कार्य निपटाने का अवसर मिल सके।बैंक कर्मचारी संगठनों की ओर से प्रस्तावित हड़ताल के पीछे पांच दिन की बैंकिंग व्यवस्था लागू करने समेत कई मांगें प्रमुख हैं। बैंक कर्मचारी सभी शनिवार को अवकाश घोषित कर सप्ताह में केवल पांच दिन बैंकिंग कार्य कराने की मांग लंबे समय से कर रहे हैं। इसके अलावा प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन योजना में मौजूद विसंगतियों को दूर करने और पारदर्शी तरीके से लाभ देने, बैंकों में रिक्त पदों पर भर्ती, पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने तथा अन्य लंबित सेवा संबंधी मांगों को लेकर भी कर्मचारी संगठन आंदोलन कर रहे हैं। हड़ताल में राष्ट्रीयकृत बैंकों के साथ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और जिला सहकारी बैंक के कर्मचारी तथा अधिकारी भी शामिल होने की बात कही गई है।28 से 30 सितंबर तक हड़ताल के दौरान प्रयागराज जिले की 500 से अधिक बैंक शाखाओं में कामकाज प्रभावित रहेगा। शाखाओं के काउंटर से होने वाले लेन-देन, चेक क्लीयरेंस, बैंक ड्राफ्ट और पासबुक में प्रविष्टि जैसे कार्य बंद रहने की संभावना है। लगातार तीन दिन शाखाएं बंद रहने के कारण शहर और ग्रामीण क्षेत्रों के एटीएम में नकदी की उपलब्धता प्रभावित होने की भी आशंका जताई जा रही है। हालांकि बैंक प्रबंधन की ओर से हड़ताल से पहले एटीएम में पर्याप्त नकदी उपलब्ध कराने की तैयारी किए जाने की बात कही गई है।हड़ताल के दौरान कर्मचारियों के वेतन और पेंशन से जुड़े भुगतान को लेकर भी आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। केंद्र सरकार ने हड़ताल को देखते हुए केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के सितंबर माह के वेतन और पेंशन का भुगतान निर्धारित समय से पहले 25 सितंबर तक उनके खातों में कराने की व्यवस्था की थी।बैंक प्रबंधन और कर्मचारी संगठनों ने ग्राहकों से अपील की है कि नकद लेन-देन, चेक जमा करने, बैंक ड्राफ्ट बनवाने तथा अन्य जरूरी बैंकिंग कार्य आज ही शाखाओं में पहुंचकर निपटा लें। हड़ताल के दौरान डिजिटल बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और यूपीआई जैसी सेवाएं सामान्य रूप से उपलब्ध रहने की उम्मीद है, हालांकि शाखाओं से जुड़े कार्यों के लिए ग्राहकों को तीन दिन तक इंतजार करना पड़ सकता है।

जलभराव को लेकर नगर निगम अलर्ट, लो-लाइन इलाकों में भी लगाए गए पंप

लखनऊ,संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पिछले कई दिनों से लगातार बारिश हो रही है। 24 सितंबर से शुरू हुई मूसलाधार बारिश के कारण शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बनी हुई है। इसे लेकर लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल ने शहर में जलभराव की समस्या और नगर निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों पर जानकारी दी। मेयर सुषमा खर्कवाल ने बात करते हुए कहा कि 24 तारीख से लगातार हो रही वर्षा ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। नगर निगम द्वारा जहां-जहां जलभराव की समस्या थी, वहां सभी जगह पंप लगाए गए हैं। इस बार पहले के मुकाबले शिकायतें कम आई हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लो-लाइन इलाके हैं जहां पानी भर जाता है लेकिन वहां भी नगर निगम ने पंप लगाकर पानी निकालने की व्यवस्था की है। मेयर ने बताया कि जलभराव की शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए नगर निगम ने हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। लोगों की शिकायतें लगातार आ रही हैं और उनका तुरंत समाधान करने का प्रयास किया जा रहा है। सुषमा खर्कवाल ने कहा कि भारी बारिश के कारण कल शहर में एक सौ साल पुराना विशाल पेड़ गिर गया था, जिसे नगर निगम की टीम ने तुरंत हटाया। इसके अलावा कई जगहों पर बिजली के पोल गिरने की भी घटनाएं हुई हैं, जिन्हें ठीक करने का काम किया गया है। नगर निगम की टीमें रात भर सक्रिय रहकर काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि कल वह खुद इंदिरा प्रियदर्शिनी वार्ड में मौजूद रहीं और पार्षद कल्पना वर्मा के साथ जलभराव वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया। नगर आयुक्त लगातार शहर का दौरा कर रहे हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

शहादत पर विवाद होना दुखद

मई 2025 में पाकिस्तान के खिलाफशुरु किए गए श्ऑपरेशन सिंदूरश् में छह जवानों की शहादत हुई थी, जिनके नाम अब साल भर बाद जाकर मोदी सरकार ने सार्वजनिक किए हैं। शहीद छह जवानों के नाम नेशनल वॉर मेमोरियल में उकेरे गए हैं। देश की रक्षा और आत्मसम्मान के लिए अपने प्राणों को दांव पर लगाने और सर्वोच्च बलिदान देने के इस जज्बे की तारीफशब्दों में नहीं की जा सकती न ही पर्याप्त कृतज्ञता जताई जा सकती है। कायदे से शहादत जैसे विषयों पर राजनैतिक बहस या विवाद भी नहीं होने चाहिए। लेकिन मोदी सरकार ने अब सेना को भी राजनैतिक लाभ के लिए इस्तेमाल करना शुरु कर दिया है। इसलिए शहादत पर विवादित बयानबाजी भी हो रही है। दरअसल 28 जुलाई 2025 को संसद सत्र के दौरान लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर बहस के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने विपक्ष से कहा था, आपको सवाल पूछना है तो ये पूछिए कि इस ऑपरेशन में क्या हमारे जांबाज सैनिकों को कोई क्षति पहुंची है तो उसका उत्तर है नहीं। रक्षा मंत्री के इस बयान का वीडियो सोशल मीडिया पर तैर रहा है, जिसमें सुनाई दे रहा है कि नहीं का उच्चारण उन्होंने पूरा जोर देकर किया था और तब सदन में मौजूद गृहमंत्री अमित शाह से लेकर तमाम बीजेपी सांसदों ने मेजें थपथपाकर मुस्कुराते हुए इस बयान का स्वागत किया था। इस बयान को सुनकर यही समझ आता है कि राजनाथ सिंह साफ कह रहे हैं कि हमारे जवानों को कोई नुकसान नहीं हुआ है। राजनाथ सिंह ने उसी वक्तव्य में आगे कहा था, प्रतिपक्ष के लोग पूछते रहे हैं कि हमारे कितने विमान गिरे, मुझे लगता है कि उनका यह सवाल राष्ट्रीय जनभावनाओं का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता। उन्होंने एक बार भी नहीं पूछा कि हमारी सेनाओं ने दुश्मन के कितने विमान गिराए। उन्हें सवाल पूछना ही है तो उनका प्रश्न ये होना चाहिए कि क्या भारत ने आतंकवादी ठिकानों को तबाह किया, तो उसका उत्तर है हां। आपको प्रश्न पूछना है तो ये पूछिए कि क्या ऑपरेशन सिंदूर सफल रहा तो उत्तर है हां। जिस तरीके विपक्ष का नाम लेकर और उसके सवालों की नीयत पर सवाल उठाकर रक्षा मंत्री ने जवाब दिया, उसी से जाहिर था कि सेना के नाम पर मोदी सरकार राजनीति कर रही है। देश की सेना को वह मोदी सरकार की सेना की तरह बताकर उसके कामों का श्रेय अकेले लूटना चाहती है। जबकि कायदे से सेना जो भी करती है, उसकी तारीफकी हकदार केवल वही होती है, कोई राजनैतिक दल नहीं। बहरहाल, रक्षा मंत्री ने जब ये कह दिया था कि किसी जवान की क्षति नहीं हुई, तो यही माना गया कि ऑपरेशन सिंदूर में भारत ने पाकिस्तान का खूब नुकसान किया, लेकिन देश को कोई हानि नहीं हुई। हालांकि पाकिस्तान की तरफसे कभी लड़ाकू विमान गिराने के दावे किए गए, कभी 10 से ज्यादा जवानों को मारने के। लेकिन इन्हें गंभीरता से नहीं लिया गया। अब छह जवानों के नाम सामने आए हैं, तो विपक्ष ने सवाल उठाए। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान के खिलाफभारत की जवाबी कार्रवाई को लेकर संसद को गुमराह किया गया। एक्स पर श्री खेड़ा ने लिखा कि श्सिर्फदो ही संभावनाएं हैं या तो रक्षा मंत्री को अपने ही मंत्रालय से जुड़े तथ्यों की जानकारी नहीं थी, जो उनकी क्षमता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है, या फिर उन्हें सच्चाई मालूम थी और इसके बावजूद उन्होंने संसद को गुमराह करने का फैसला किया। उन्होंने लिखा, जिस सरकार ने खुद को तिरंगे में लपेट रखा है और जो राष्ट्रवाद की बातें करते नहीं थकती, उसी सरकार ने इन वीरों को वह सम्मान और स्मरण नहीं दिया, जिसके वे हकदार थे। पवन खेड़ा ने कहा, इन वीरों के नाम देश की सामूहिक स्मृति में हमेशा के लिए दर्ज होने चाहिए थे। उनके परिवारों को यह महसूस होना चाहिए था कि पूरा देश उनके बलिदान को सम्मान के साथ याद कर रहा है। लेकिन इसके उलट, पूरे एक साल तक भाजपा सरकार ने उनकी शहादत को देश से छिपाए रखने का फैसला किया। इसी तरह के बयान अन्य दलों ने भी दिए, तो अब रक्षा मंत्रालय ने सफाई दी है कि श्कु छ सोशल मीडिया पोस्टों में 28 जुलाई 2025 को संसद में रक्षा मंत्री द्वारा दिए गए भाषण को गलत तरीके से पेश करने की कोशिश की गई है। इन पोस्टों में भाषण के एक छोटे से हिस्से को चुनकर यह झूठा दावा किया गया है कि रक्षा मंत्री ने कहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान किसी भी भारतीय सैनिक की मौत नहीं हुई। यह दावा जानबूझकर भ्रामक तरीके से पेश किया गया है और पूरी तरह तथ्यात्मक रूप से गलत है। श्यह याद रखना चाहिए कि जब रक्षा मंत्री संसद में अपना भाषण दे रहे थे, उस समय मीडिया और सोशल मीडिया के कुछ हिस्सों में लगातार यह झूठा प्रचार किया जा रहा था कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायुसेना के पायलट मारे गए थे। यह दावा पूरी तरह गलत था, लेकिन ऑपरेशन की सफलता को कम करके दिखाने और जनता का मनोबल गिराने के उद्देश्य से इसे लगातार फैलाया जा रहा था। रक्षा मंत्री का संबंधित बयान इसी विशेष और भ्रामक दुष्प्रचार के जवाब में दिया गया था। इसलिए उनके बयान को उसी संदर्भ में समझा जाना चाहिए। रक्षा मंत्रालय के बयान में आगे बताया गया है कि श्यह भाषण भारतीय सशस्त्र बलों के साहस और क्षमता को सम्मान देने वाला था और भारत को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करने वालों के लिए एक स्पष्ट संदेश भी था। रक्षा मंत्री और भारत सरकार भारतीय सशस्त्र बलों के प्रत्येक सदस्य के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और श्रद्धा व्यक्त करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। विशेष रूप से उन वीर जवानों के प्रति, जिन्होंने राष्ट्र की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। श्इसी सर्वोच्च बलिदान के सम्मान में सरकार ने सुनिश्चित किया है कि इन वीर सैनिकों के नाम राष्ट्रीय समर स्मारक (नेशनल वॉर मेमोरियल) की दीवारों पर अंकित किए जाएं। रक्षा मंत्रालय ने जिस तरह की सफाई पेश की है, ऐसा अतीत में कभी नहीं हुआ। भारत पहले भी लड़ाइयों में उलझा है, जिसमें बड़ी संख्या में जवान हताहत हुए हैं। ये लड़ाइयां कांग्रेस और भाजपा दोनों सरकारों के दौरान हुई, लेकिन कभी किसी को इस तरह सफाई देने की नौबत नहीं आई। मोदी सरकार को इस पर विचार करना चाहिए कि आखिर क्यों उसके फैसले इस कदर विवादों में उलझ जाते हैं। जब पहलगाम हमला हुआ था, तब भी आतंकियों ने धर्म पूछा, जाति नहीं जैसे पोस्टर बनाकर एक भयावह आतंकी घटना को सस्ती राजनीति का हिस्सा भाजपा ने बनाया था और अब ऑपरेशन सिंदूर को लेकर एक नया विवाद खड़ा हुआ है, जो किसी तरह उचित नहीं है।

क्या हम विकास और विनाश के बीच संतुलन साध पाएंगे?

हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार आने वाली त्रासदियां हमें चेतावनी दे रही हैं कि विकास का मॉडल प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत होना चाहिए। यह मान लेना भी खतरनाक है कि जिस क्षेत्र में पहले कभी बड़ा भूकप नहीं आया, वहां भविष्य में भी खतरा नहीं होगा। धरती के भीतर या हलचल चल रही है, इसका पूरा रहस्य आज भी मानव नहीं जान पाया है। इसलिए केवल पुराने अनुभवों के आधार पर किसी क्षेत्र को पूर्णतः सुरक्षित मान लेना आत्मघाती हो सकता है। आज भवन निर्माण केवल भूकप को ध्यान में रखकर नहीं किया जा सकता। अत्यधिक वर्षा, शहरी बाढ़, तेज हवाएं, तापमान में वृद्धि और अन्य प्राकृतिक चुनौतियों को भी नगर नियोजन का हिस्सा बनाना होगा। भविष्य के शहरों को बहुस्तरीय सुरक्षा की अवधारणा के आधार पर विकसित करना समय की मांग है।

ललित गर्ग
****

वेनेजुएला में हाल में आए भीषण भूकम्प ने केवल एक देश को नहीं, बल्कि पूरी मानवता को झकझोर दिया है। मृतकों और लापता लोगों की संख्या समय के साथ बदलती रही हो, लेकिन त्रासदी की भयावहता निर्विवाद है। हजारों परिवार अपने प्रियजनों को खोने की असहनीय पीड़ा से गुजर रहे हैं। ऐसे प्रत्येक अवसर पर पूरी दुनिया संवेदना व्यक्त करती है, राहत सामग्री भेजती है, सहायता अभियान चलाती है, लेकिन एक प्रश्न बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या हम हर बड़ी आपदा से कोई स्थायी सबक सीखते हैं या फिर कुछ दिनों की चर्चा और शोक के बाद सब कुछ भुलाकर पुनः उसी लापरवाह विकास-यात्रा एवं प्रकृति की घोर उपेक्षा पर निकल पड़ते हैं? प्राकृतिक आपदाएं कभी कैलेंडर देखकर नहीं आतीं। वे न देश चुनती हैं, न मौसम और न समय। जब धरती कांपती है, नदियां उफान पर आती हैं, पहाड़ दरकते हैं या समुद्र विकराल रूप धारण कर लेता है, तब विकास के बड़े-बड़े दावे, ऊंची-ऊंची इमारतें और तकनीकी उपलब्धियों का अहंकार कुछ ही क्षणों में धराशायी हो जाता है। ऐसे समय में किसी देश की वास्तविक शक्ति उसकी आर्थिक समृद्धि नहीं, बल्कि उसकी पूर्व तैयारी, संवेदनशील शासन व्यवस्था और जागरूक नागरिक होते हैं।

वेनेजुएला की त्रासदी ने एक सकारात्मक पक्ष भी सामने रखा। आधुनिक तकनीक ने कुछ क्षेत्रों में लोगों को भूकम्प के झटके महसूस होने से कुछ सेकंड पहले चेतावनी दी। सुनने में यह समय बहुत कम प्रतीत होता है, लेकिन आपदा की घड़ी में यही कुछ सेकंड जीवन और मृत्यु के बीच की दूरी तय कर सकते हैं। विज्ञान इस दिशा में निरंतर प्रगति कर रहा है। आवश्यकता इस बात की है कि ऐसे प्रारंभिक चेतावनी तंत्र अधिक सटीक, अधिक तेज और अधिक व्यापक बनाए जाएं, ताकि अधिक से अधिक लोगों का जीवन सुरक्षित रह सके। भारत के लिए यह विषय केवल एक अंतरराष्ट्रीय समाचार नहीं है। हमारा देश स्वयं भूकम्प, बाढ़, भूस्खलन, बादल फटने, चक्रवात और सुनामी जैसी अनेक प्राकृतिक आपदाओं का दंश झेलता रहा है। 1993 का लातूर भूकम्प, 2001 का भुज भूकम्प, 2004 की सुनामी, 2013 की केदारनाथ त्रासदी, 2023 की जोशीमठ भू-धंसाव की घटनाएं तथा हिमालयी क्षेत्रों में लगातार बढ़ती बाढ़ और भूस्खलन की घटनाएं आज भी हमारी स्मृतियों में जीवित हैं। इन सभी घटनाओं का एक ही संदेश है-प्रकृति को कभी हल्के में नहीं लिया जा सकता। वैज्ञानिक आज भी यह निश्चित रूप से नहीं बता सकते कि किस दिन, किस समय और किस स्थान पर भूकम्प आएगा, लेकिन वे वर्षों से यह चेतावनी अवश्य देते रहे हैं कि भारत का लगभग साठ प्रतिशत भूभाग किसी न किसी स्तर के भूकम्पीय जोखिम वाले क्षेत्र में आता है। हिमालयी क्षेत्र, दिल्ली-एनसीआर, उत्तर-पूर्व, गुजरात और अनेक अन्य क्षेत्र विशेष रूप से संवेदनशील माने जाते हैं। इसका अर्थ स्पष्ट है कि यदि भूकम्प की सटीक भविष्यवाणी संभव नहीं है, तो भी पूर्व तैयारी पूरी तरह संभव है। दुर्भाग्य यह है कि हम तैयारी की अपेक्षा आपदा के बाद राहत और पुनर्वास पर अधिक ध्यान देते हैं। आज देश के लगभग हर शहर में कंक्रीट के विशाल जंगल तेजी से खड़े हो रहे हैं। बहुमंजिला आवासीय परिसर, व्यावसायिक भवन, गगनचुंबी टावर और स्मार्ट सिटी विकास की नई पहचान बन चुके हैं। मुंबई, गुरुग्राम, नोएडा, दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद और अब जयपुर जैसे शहर भी ऊंची-ऊंची इमारतों की दौड़ में शामिल हो चुके हैं। लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि क्या इन भवनों की मजबूती केवल सामान्य परिस्थितियों के लिए है या किसी बड़ी प्राकृतिक आपदा का सामना करने के लिए भी? किसी भी भवन की वास्तविक परीक्षा तब होती है जब धरती कांपती है, जब अचानक बाढ़ आती है, जब तेज हवाएं चलती हैं या जब प्रकृति अपना रौद्र रूप दिखाती है। यदि उस समय भवन लोगों की जान बचा सके, तभी उसे वास्तविक विकास का प्रतीक माना जाना चाहिए। केवल ऊंचाई, चमक-दमक और आधुनिक सुविधाएं किसी भवन को सुरक्षित नहीं बनातीं। भारत में भूकम्परोधी निर्माण के लिए मानक और नियम मौजूद हैं। भारतीय मानक ब्यूरो ने स्पष्ट दिशानिर्देश निर्धारित किए हैं। समस्या नियमों की कमी नहीं, बल्कि उनके अनुपालन की है। क्या प्रत्येक बहुमंजिला इमारत वास्तव में उन्हीं मानकों के अनुरूप निर्मित हो रही है? क्या निर्माण सामग्री की गुणवत्ता की निष्पक्ष जांच होती है? क्या निर्माण के बाद संरचनात्मक सुरक्षा का स्वतंत्र परीक्षण किया जाता है? यदि इन प्रश्नों का उत्तर पूरी तरह संतोषजनक नहीं है, तो चिंता स्वाभाविक है। निर्माण क्षेत्र में बढ़ती अनियमितताओं और भ्रष्टाचार ने स्थिति को और गंभीर बनाया है। अनेक बार भू-माफिया, बिल्डर लॉबी और लाभ-लोलुप तत्व पर्यावरणीय नियमों की अवहेलना करते हुए हरित क्षेत्रों, जलाशयों, नदी तटों और भू-संवेदनशील क्षेत्रों तक में निर्माण कर देते हैं। बाद में यही निर्माण किसी त्रासदी का कारण बनते हैं। नोएडा में अवैध रूप से निर्मित सुपरटेक ट्विन टावरों को सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर ध्वस्त किया जाना इस बात का प्रतीक है कि किस प्रकार नियमों की अनदेखी कर निर्माण कार्य किए जाते रहे हैं। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि यदि कोई निर्माण अवैध था, तो उसे बनने की अनुमति किसने दी? निर्माण पूरा होने तक प्रशासन मौन क्यों रहा? क्या विकास के नाम पर कुछ लोगों के आर्थिक लाभ के लिए लाखों नागरिकों के जीवन को जोखिम में डाला जा सकता है? यह केवल कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि नैतिक प्रश्न भी है। शहरी विकास प्राधिकरणों, नगर निगमों, नगर विकास न्यासों तथा भवन निर्माण की अनुमति देने वाली एजेंसियों की जिम्मेदारी केवल नक्शों पर हस्ताक्षर करने तक सीमित नहीं हो सकती। प्रत्येक निर्माण की तकनीकी, पर्यावरणीय और संरचनात्मक जांच अत्यंत कठोरता से की जानी चाहिए। सुरक्षा मानकों का पालन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नागरिकों के जीवन की रक्षा का दायित्व है।

एक अन्य गंभीर चिंता जलवायु परिवर्तन और प्रकृति के साथ बढ़ती छेड़छाड़ की है। पहाड़ों को काटकर सड़कें बनाना, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बाधित करना, जंगलों का अंधाधुंध विनाश, अतिक्रमण, खनन और अनियोजित शहरीकरण ने प्रकृति के संतुलन को गहराई से प्रभावित किया है। परिणामस्वरूप भूस्खलन, अचानक बाढ़, शहरी जलभराव और जंगलों में आग की घटनाएं बढ़ रही हैं।

हिमालयी क्षेत्रों में बार-बार आने वाली त्रासदियां हमें चेतावनी दे रही हैं कि विकास का मॉडल प्रकृति-विरोधी नहीं, बल्कि प्रकृति-संगत होना चाहिए। यह मान लेना भी खतरनाक है कि जिस क्षेत्र में पहले कभी बड़ा

चुनाव आयोग पर सवाल और सुधार के अवसर

डॉ.लोकेश कुमार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सरकार ने ग्रामीण सशक्तीकरण को लेकर बड़ा कदम उठाया है, जो एक जुलाई, 2026 से पूरे देश में वीबी-जी राम जी के नाम से लागू होने जा रहा है। मनरेगा के स्थान पर विकसित भारत- गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (वीबी-जी राम जी) योजना पूरे देश के ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर, समावेशी और सशक्त बनाने की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगी। गांवों से रोजगार की तलाश में शहरों में हो रहे पलायन को रोकने के लिए यह एक कारागार कदम है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए केंद्र सरकार ने इस योजना में 95 हजार, 692 करोड़ रुपये का बजटीय आवंटन किया है, जो ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम के लिए अब तक का सर्वाधिक आवंटन राशि है। राज्यों के राज्यांश सहित इस कार्यक्रम का कुल परिव्यय 1.51 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान है। ग्रामीण क्षेत्र के ऐसे प्रत्येक पात्र परिवार को अब एक वित्तीय वर्ष में 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन का रोजगार देने की वैधानिक गारंटी प्रदान की गई है। पहले श्रमिकों को 15 दिन में भुगतान किया जाता था, अब साप्ताहिक भुगतान का प्रावधान किया गया है। भुगतान डीबीटी के माध्यम से सीधे बैंक अथवा डाकघर खातों में जाएगा, जिससे पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित होगी। वहीं, निर्धारित समय की अवधि में रोजगार उपलब्ध नहीं होने पर बेरोजगारी भत्ते और मजदूरी भुगतान में देरी होने पर क्षतिपूर्ति देना भी वैधानिक प्रावधान है। यह निर्णय ग्रामीण आय में वृद्धि और आजीविका सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। जिन मौजूदा मनरेगा जॉब कार्ड के लिए ई-केवाईसी की प्रक्रिया पूरी हो गई है, वे वीबी-जीरामजी अधिनियम, 2025 के प्रावधानों के अनुसार नए ग्रामीण रोजगार गारंटी कार्ड जारी होने तक वैध बने रहेंगे। यह मनरेगा का एक उन्नत और आधुनिक रूप है। यह ग्रामीण परिवारों को एक साल में 125 दिन के गारंटीकृत रोजगार और समय पर मजदूरी नहीं मिलने पर बेरोजगारी भत्ते की कानूनी गारंटी देता है। ग्रामीण परिवारों को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिन तक के अकुशल शारीरिक काम करने की गारंटी दी जाती है। कृषि मौसम में 60 दिन की राहत प्रदान की गई। कृषि क्षेत्र में बुवाई और कटाई जैसे चरम समय के दौरान मजदूरों की कमी नहीं हो, इसलिए राज्य सरकारें 60 दिनों तक की अवधि की अग्रिम घोषणा करती हैं, जिनमें खेतों पर काम करने के लिए योजना के अंतर्गत काम रोक दिया जाता है। इसके अंतर्गत मुख्य रूप से जल सुरक्षा, ग्रामीण व आजीविका संबंधी अवसंरचना (बुनियादी ढांचे) और आपदा शमन से जुड़े कार्य किए जाते हैं। पारदर्शिता और डिजिटल तकनीक के तहत ग्राम पंचायतें ही योजनाओं की पहचान कर उन्हें लागू करेंगी। इसे डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण, मोबाइल आधारित रिपोर्टिंग, रीयल-टाइम डैशबोर्ड) और सोशल ऑडिट के जरिए पारदर्शी बनाया गया है। यह योजना 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्यों को ध्यान में रखते हुए ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुरक्षा को मजबूत करने का एक नया कानूनी ढांचा प्रदान किया है। विकसित भारत- जी राम जी विधेयक, 2025 विकसित भारत 2047 के साथ संयोजित एक नई सांविधिक संरचना के साथ मनरेगा का स्थान लेता है। ग्रामीण परिवार की आय सुरक्षा सुदृढ़ होगी। मनरेगा दो दशकों से भारत की सामाजिक सुरक्षा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मजबूती की संरचना की आधारशिला रही है। 2005 में कार्यान्वित होने के बाद से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) ने रोजगार प्रदान करने, ग्रामीण आय को स्थिर करने और मूलभूत अवसंरचना निर्माण में अहम भूमिका निभाई है। समय के साथ, ग्रामीण भारत की संरचना और लक्ष्य में काफी बदलाव भी आ गए हैं। मोदी सरकार ने विकसित भारत- रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) विधेयक, 2025, (जिसे विकसित भारत- जी राम जी विधेयक, 2025 भी कहा गया है) का प्रस्ताव रखा है। यह विधेयक मनरेगा में व्यापक वैधानिक बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है, जो ग्रामीण रोजगार को विकसित भारत 2047 के दीर्घकालिक विजन के साथ संयोजित करता है और जवाबदेही, बुनियादी ढांचे के परिणामों और आय सुरक्षा को सुदृढ़ करता है। देश की आजादी के बाद से ग्रामीण विकास की नीतियों का प्रमुख विषय निर्धनता कम करने, खेती की पैदावार को बेहतर बनाने और अधिशेष और कम काम वाले ग्रामीण मजदूरों के लिए रोजगार करने का सृजन रहा है। मजदूरी वाले रोजगार कार्यक्रम धीरे-धीरे ग्रामीण रोजगार की सहायता करने के मुख्य माध्यम बन गए हैं। सबसे पहले ग्रामीण श्रमबल कार्यक्रम (1960 का दशक) और ग्रामीण रोजगार के लिए क्रैश स्कीम (1971) जैसे आरम्भिक कार्यक्रमों के साथ भारत के मजदूरी रोजगार पहलों की विविध चरणों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में प्रगति हुई। इनके बाद 1980 और 1990 के दशक में अधिक संरचित प्रयास किए गए, जिसमें राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम, ग्रामीण भूमिहीन रोजगार गारंटी कार्यक्रम को शामिल किया गया। इस योजना को बाद में जवाहर रोजगार योजना (1993) में विलय कर दिया गया। 1999 में यह सम्पूर्ण ग्रामीण रोजगार योजना में संघटित हो गई, जिसका उद्देश्य कवरेज और समन्वय में सुधार करना था। रोजगार आश्वासन योजना और काम के बदले अनाज कार्यक्रम जैसी पूरक योजनाओं ने मौसमी बेरोजगारी और खाद्य सुरक्षा पर ध्यान देकर एक ग्रामीण बेरोजगारी के कुछ दंश को शांत करने में मददगार साबित हुई। 1977 के महाराष्ट्र रोजगार गारंटी अधिनियम के साथ एक बड़ा बदलाव आया।

जिसने काम करने के वैधानिक अधिकार की अवधारणा प्रस्तुत की गई। इनके अनुभवों के आधार पर सन 2005 में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम का जन्म हुआ।

2027 यूपी विधानसभा क्या 2024 लोकसभा के नतीजे दोहराएगा?

शकील अख्तर
****

उत्तर प्रदेश विधानसभा के चुनाव में केवल छह महीने बचे हैं। 2022 में जनवरी के पहले सप्ताह में चुनाव कार्यक्रम घोषित हो गया था। और 10 फरवरी को पहले चरण का मतदान था। कहने और लिखने को चुनाव अगले साल हैं। मगर समय कितना बचा है? समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव इसीलिए कह रहे हैं कि कांग्रेस की तैयारियां कमजोर लग रही हैं। कांग्रेस में इमरान मसूद इसका जवाब यह कह कर दे रहे हैं कि फिर लड़ लें अकेले चुनाव! अखिलेश ने अकेले लड़ने की बात नहीं कही है। साफकहा है कि साथ मिलकर लड़ेंगे। मगर उन्हें बेवजह भड़काने की कोशिश बताती है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस कौन देख रहा है इसको लेकर स्पष्टता नहीं है। इमरान मसूद सांसद हैं और 2024 के लोकसभा चुनाव सपा के साथ गठबंधन से ही बने थे। मगर कांग्रेस में जैसा अन्य प्रदेशों में होता है वैसा ही यूपी में भी हो रहा है कि हर नेता अपनी अलग भाषा बोल रहा है। केन्द्रीय स्तर पर कांग्रेस तैयारियों में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। चुनाव को देखते हुए ही उसने वहां अपने इन्चार्ज को बदला। यूपी में इस समय एक दलित वोट ही ऐसा है जो पूरी तरह ओपन है। किसी भी तरफ जा सकता है। और जिस तरफ जाएगा बड़ा हिस्सा। लगभग 21 प्रतिशत है। इसी की दम पर मायावती चार बार मुख्यमंत्री रही हैं। मगर अब उनकी राजनीति खुद अपने को बचाने तक ही सीमित हो गई है। हालत यह है कि लोकसभा और राज्यसभा में उनका एक भी सदस्य नहीं है। और विधानसभा में केवल एक। ऐसे में दलित वोट अपना रास्ता ढूंढ रहा है। कांग्रेस ने यही देखते हुए अपने एससी डिपार्टमेंट के चौयरमेन राजेन्द्र पाल गौतम को यूपी का नया इंचार्ज बनाया है। मगर उन्होंने यूपी जाकर अपना कार्यभार संभालने से पहले ही दिल्ली में राज्य की आधी सीटों पर दावेदारी ठोक दी। यूपी में इस समय 403 विधानसभा की सीटों में से कांग्रेस की केवल 2 सीटें हैं। और दावा 200 से एक या दो ज्यादा सीटों पर! जैसा कि हमने ऊपर लिखा केवल 6 महीने हैं और राज्य बहुत टफ कितना? वह इसी से समझ लीजिए कि 37 साल पहले कांग्रेस के आखिरी मुख्यमंत्री हुए थे नारायणदत्त तिवारी। 1989 तक। उसके बाद से सपा भाजपा बसपा का दौर शुरू हो गया। और कांग्रेस 37 साल से राज्य में अप्रसांगिक पड़ी हुई है। सारे प्रयोग कर लिए अकेले लड़ कर भी और सपा-बसपा के साथ मिलकर भी। अपनी सबसे करिश्माई नेता मानी जाने वाली प्रियंका गांधी को इंचार्ज बनाकर भी। मगर वह पार्टी जो आजादी के पहले जब संयुक्त प्रान्त कहा जाता था उस समय से बीच का जब गैरकांग्रेस वाद के नाम पर 1967 में संविद सरकारें बन रही थीं का थोड़ा सा अन्तराल छोड़ दें तो 1989 तक हमेशा सत्ता पर काबिज रही वह अब एक कमजोर हालत में पड़ी हुई है। पांच साल तक कोई काम नहीं होता है। और जब चुनाव आता है तो हर बार वह बेमतलब की बहस शुरू हो जाता है कि साथ लड़ना है या अकेले! अभी समय है। हालांकि संभावनाएं यही कहती हैं कि साथ मिलकर लड़ेंगे। अखिलेश ने बोला ही है। और राहुल साथ मिलकर लड़ने के हिमायती हैं। और सबसे बड़ी बात 2024 लोकसभा चुनाव के नतीजों ने बता दिया कि साथ मिलकर लड़ने का क्या फायदा है। सपा और कांग्रेस ने मिलकर आधी से ज्यादा सीटें जीत लीं। 80 सीटों में से सपा ने 37 जीतीं। जो उसका आज तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। कांग्रेस ने छह। मिलकर 43 हुई। और भाजपा केवल 33 पर सिमट गई। लोकसभा की सीटों पर विधानसभा के परिणाम नहीं मापे जा सकते। मगर दो साल में राज्य में भाजपा की हालत और कमजोर हो गई है। उसके आन्तरिक विवाद जो भाजपा में सामान्यतरू होते नहीं हैं वह तो हैं ही। अखिलेश यादव इन्हें दो इंजनों का टकराना कहते हैं। भाजपा बातों से लोगों को भरमाने के लिए इस तरह के भाषाई खेल करती रहती है। डबल इंजन की सरकारें। अखिलेश अच्छा तंज करते हैं इस पर कि यूपी में तो दोनों इंजन आपस में ही टकराते रहते हैं। मोदी और योगी के बीच तनाव होने की बात करते हुए वे कहते हैं कि एक दूसरे के नमस्कार भी नहीं लिए जाते।किसी और राज्य में इस तरह की स्थिति की आप कल्पना भी नहीं कर सकते। मगर यूपी में भाजपा के आन्तरिक झगड़ों का गहरा असर है। ऐसे में श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में चोरी का मामला भाजपा के लिए सबसे बड़ी समस्या बन गया है। खुद भाजपा विश्व हिन्दू परिषद के लोग इससे बेहद आहत हैं। दोषियों के लिए फांसी की मांग कर रहे हैं। तब आप सोच सकते हैं कि आम जनता में इसको लेकर कितना दुरूख और रोष होगा। पेपर लीक बेरोजगारी जैसी दूसरी समस्याएं तो हैं हीं। कांग्रेस छात्रों की समस्या पर प्रयागराज में एक बड़ा छात्र सम्मेलन कर रही है। यहां यह बात बहुत महत्वपूर्ण है कि विधानसभा में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व चाहे कम हो मगर उसके मुद्दों का राज्य में बहुत समर्थन है। पहले प्रयागराज में 10 जुलाई को छात्र सम्मेलन होने वाला था। मगर इसके लिए छात्र और युवाओं का उत्साह देखते हुए कांग्रेस ने और ज्यादा तैयारी के साथ इसे करने के लिए इसकी तारीख बढ़ा दी है। अब यह 19 जुलाई को होगा। एनएसयूआई और यूथ कांग्रेस की टीमों के साथ कांग्रेस के समन्वयक भी प्रयागराज और उत्तर प्रदेश के अन्य शहरों में छात्र और युवाओं के बीच जाकर उन्हें सम्मेलन में आने के लिए प्रेरित कर रहे हैं। राहुल गांधी कोटा के पहले छात्र सम्मेलन की तरह यहां भी रहेंगे। और प्रियंका गांधी भी यहां आएंगी। अखिलेश इस बात को अच्छी तरह जानते हैं कि जमीन पर कम ताकत दिखने के बावजूद प्रभाव में कांग्रेस की ताकत बहुत है। कांग्रेस के साथ आने से उनकी ताकत कई गुना बढ़ जाती है। जैसे एक मोटा उदाहरण दलित वोटों का ही है। दलित यूपी में सबसे कम सपा की तरफजाता है। मायावती ने मुलायम अखिलेश के खिलाफबोल-बोलकर उनके मन में बहुत गलत भावनाएं भर रखी हैं। मगर जब कांग्रेस सपा के साथ आती है तो दलित भी कांग्रेस पर विश्वास करके गठबंधन के साथ आता है। 2024 लोकसभा में उसने सपा कांग्रेस को वोट दिया। वैसे तो 2027 में सात राज्यों में विधानसभा चुनाव है। और हर राज्य का अपना अलग महत्व है। यूपी के अलावा उत्तराखंड, पंजाब, गुजरात, हिमाचल जैसे महत्वपूर्ण राज्यों के साथ मणिपुर एवं गोवा में भी चुनाव है। मगर सबसे बड़ा राज्य होने के कारण और अभी श्रीराम मंदिर जो सीधा प्रधानमंत्री मोदी की देखरेख में है। वहां ट्रस्ट में उनके ही सारे आदमी लगाए गए थे। वहां चढ़ावे में चोरी हो जाना बताता है कि या तो सरकार का नियंत्रण कमजोर हो गया है या यह सब कुछ सरकार की जानकारी में हो रहा था। एक ड्राइवर टिन्नू यादव को मुख्य अभियुक्त बनाया जा रहा है।

उसके लिए फांसी की सजा की मांग की जा रही है। बाकी एफआईआर में जिन आरोपियों के नाम हैं उनके लिए कहा जा रहा है कि छह-छह महीने जेल में रखकर फिर इन्हें छोड़ दिया जाए। राहुल गांधी यही कहते हैं कि यह मनुस्मृति लागू करना चाहते हैं। फिर कानून ऐसे ही होंगे। ओबीसी, दलित, आदिवासी, महिला के लिए अलग सजा। कठोर। बाकी के लिए हल्की। माफी। यूपी विधानसभा चुनाव में यह सब मुद्दे बनेंगे। अखिलेश पीडीए के नाम से चुनाव लड़ रहे हैं। पीडीए मतलब पी से पिछड़ा, डी से दलित और ए से अल्पसंख्यक। अखिलेश इससे जरा भी इधर-उधर नहीं हो रहे। चुनाव पूरी तरह मुद्दों और सिद्धांतों का बनता जा रहा है।

मेषः– नकारात्मक चिन्ताओं को त्याग कर अपनी क्षमताओं पर भरोसा करें। नौकरी-पेशे में अधिकारियों व सहकर्मियों के सहयोग से वातावरण सुखद होगा। राजनैतिक क्षेत्र के व्यक्तियों का सहयोग प्राप्त होगा।

बृषभः– शासन-सत्ता कें लोगों के साथ निकटता बढे.गी। नियोजित परिश्रम द्वारा कार्य सिद्धी के आसार बनेंगे। पुराने संबंधों से लाभ संभव। परिवारिक वातावरण सुखद व उत्साहपूर्ण होगा।

मिथुनः– कठिन एवं विषम परिस्थितियों के मध्य परिश्रम व लगन से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे। समाजिक सक्रीयता से मान-प्रतिष्ठा में बृद्धि होगी। घरेलू दायित्वो के प्रति आपकी महत्ता बढे.गी।

कर्कः– कुछ भौतिक आकांक्षाएं अपनी सार्थकता हेतु मन को उद्वेलित करेंगी। निकटस्थ सम्बन्धों में भावनात्मक अपेक्षाएं कष्टकारी हो सकती है। तामसी व गैर कायरे पर आकर्षित मन पर अंकुश लगावें।

सिंहः– कुछ नई इच्छाएं बलवती होंगी। प्रयासरत् क्षेत्रों में संघर्ष संभव परन्तु निराशावादी बिचारों को मन में स्थान न दें। किसी बड़े आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्याः– नई सफलताओं से खुद की क्षमताओं का ऐहशास होगा। जीविका क्षेत्र में अवरोधों से मन में निराशा संभव भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में ब्यय की अपेक्षित है। सन्तत्ति एवं सन्तानोत्पत्ति के लिए प्रयास सार्थक होंगे।

तुलाः– किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लाएगी। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। दुबिधाओं को त्याग कर सही व स्वच्छ योजनाओं पर केन्द्रित हों।

वृश्चिकः– कुछ महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ मन पर प्रभावी होंगी। घरेलू कायरे में ब्यस्तता बढे.गी। परिजनों के सहयोग से मन उत्साहित होगा। हंसमुख स्वभाव से आस-पास वातावरण में प्रसन्नता बिखेरेंगे।

धनुः– सम्बन्धों में ब्यवहारकुशल बनें। समाजिक व मांगलिक कार्यक्रमों में आपकी भागीदारी संभव। कुछ महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता आप में नए उत्साह का संचार करेगा।

मकरः– बिद्यार्थियों के लिए ग्रहों की अनुकूलता लाभप्रद होगी। कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं सार्थक होगी। नवीन आशाएं नवीन उत्साह लाएंगी। कार्य क्षेत्र में सम्बन्धों का भरपूर लाभ मिलेगा।

कुंभः– अन्तमरुखी स्वभाव को त्याग बहिरमुखी बनें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओं की पूर्ति के आसार हैं। परिजनों के सुख-दुख के प्रति मन चिन्तित होगा। कार्य क्षेत्र में ब्यस्तता बढे.गी।

मीनः– पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुखद अनुभूति करेंगे। ग्रहों की अनुकूलता से कोई अवरोधित कार्य हल होने के आसार बनेंगे।समुचित परिश्रम करने में असमर्थ मन परेशान होगा।

त्यौहारों पर गुरुग्राम-रेवाड़ी से बिहार के लिए विशेष ट्रेनें चलाने के लिए मुख्यमंत्री को संगठनों ने सौंपा मांग पत्र

लोक हस्तक्षेप समाचार

गुरुग्राम। प्रदेश के गुरुग्राम, रेवाड़ी और फरीदाबाद जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में रोजगार और आजीविका के लिए रह रहे पूर्वांचल वासियों का प्रतिनिधित्व करने वाली सामाजिक संस्था जनसेवा एवं सांस्कृतिक चेतना मंच, डा. राजेन्द्र प्रसाद फाउण्डेशन, छठ पूजा समिति गढ़ी, सर्वोदय पूर्वांचल विकास मंच आदि ने दीपावली, छठ और होली पर्व पर गुरुग्राम-रेवाड़ी से बिहार के लिए विशेष ट्रेनें चलाने की मांग को लेकर पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में प्रदेश के मुख्यमंत्री को मांग पत्र सौंपा है। संस्थाओं के राजेश पटेल, रणधीर राय, विजय तिवारी, छोटेलाल प्रधान ने कहा कि छठ महापर्व पूर्वांचल समाज की अगाध आस्था का प्रतीक है, जिसे मनाने के लिए लाखों लोगों को अपने गृह राज्य बिहार और उत्तर प्रदेश जाना पड़ता है। इसी प्रकार दीपावली और होली के समय भी प्रवासियों को अपने घर पहुंचने के लिए भारी कठिनाइयों और यात्रा के दौरान अपार कष्ट का सामना करना पड़ता है। पिछले कई वर्षों से प्रवासी मजदूर और स्थानीय नागरिक इस संबंध में प्रशासन व जनप्रतिनिधियों से गुहार लगाते आ रहे हैं, परंतु अब तक यह मांग पूरी नहीं हो सकी है। उन्होंने आग्रह किया कि यदि गुरुग्राम और रेवाड़ी से चंपारण, बलिया और गया मार्ग के लिए विशेष ट्रेनों का संचालन शुरू कर दिया जाए, तो इससे न केवल स्थानीय प्रवासी श्रमिकों को उनकेनिकटतम स्थान से यात्रा करने की बड़ी सुविधा मिलेगी, बल्कि दिल्ली के रेलवे स्टेशनों पर उमडने वाली अत्यधिक भीड़ का दबाव भी काफी हद तक कम हो सकेगा। प्रवासियों को पूर्ण विश्वास है कि राज्य सरकार जनहित में इस पर सकारात्मक कदम उठाएगी।

मुख्यमंत्री ने कार्यकर्ताओं के साथ सुनी प्रधानमंत्री मोदी के 'मन की बात' की 138वीं कड़ी

गुरुग्राम / लोकेश कुमार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 138वें संस्करण का रविवार को गुरुग्राम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से श्रवण किया। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने टिकली मंडल के बूथ नंबर 408 में भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबोधन को सुना। इस अवसर पर कैबिनेट राव नरबीर सिंह, गुरुग्राम मेयर राज रानी मल्होत्रा, गुरुग्राम विधायक मुकेश शर्मा, सोहना विधायक तेजपाल तंवर, पटौदी विधायक विमला चौधरी, भाजपा गुरुग्राम जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, जिला महामंत्री अजीत यादव एवं मनीष सैदपुर, मन की बात जिला संयोजक अजय दुआ, टिकली मंडल अध्यक्ष श्रवण राघव, कार्यक्रम संयोजक एवं पार्षद कुलदीप यादव सहित भाजपा के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'मन की बात' कार्यक्रम देश के नागरिकों को विभिन्न सामाजिक, राष्ट्रीय और जनभागीदारी से जुड़े विषयों से जोडने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के संबोधन में उठाए गए विषयों को कार्यकर्ताओं और समाज के बीच चर्चा का विषय बनाकर सकारात्मक सामाजिक सहभागिता को आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता, नशा-मुक्त युवा और नागरिक कर्तव्यों जैसे विषय केवल सरकारी अभियानों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि इनमें समाज की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। बूथ स्तर पर 'मन की बात' को सामूहिक रूप से सुनना कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री के संदेश से सीधे जोडने के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर संवाद का अवसर भी प्रदान करता है। भाजपा गुरुग्राम जिलाध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी ने कहा कि आज हम सभी ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 138वें 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना। प्रधानमंत्री जी अपने इस संवाद के माध्यम से देशवासियों से जुडकर समाज और राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का बोध कराते हैं।

आंगनबाड़ी केन्द्रों पर तीन दिवसीय आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का हुआ समापन

लोक हस्तक्षेप समाचार

गुरुग्राम / लोकेश कुमार। महिला एवं बाल विकास विभाग गुरुग्राम द्वारा जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 25 सितंबर से 27 सितंबर तक तीन दिवसीय आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केन्द्रों के माध्यम से बच्चों, महिलाओं और स्थानीय समुदाय को विभागीय सेवाओं व योजनाओं से जोडना तथा केन्द्रों को सामुदायिक भागीदारी का सशक्त केन्द्र बनाना था। गुडग़ांव गाँव स्थित वृद्ध आश्रम में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास परियोजना अधिकारी मुनेश कुमार, भाजपा कोऑर्डिनेटर सारिका बंसल, सुपरवाइजर सुनीता सहित सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, हेल्पर और आशा वर्कर ने बढ़चढकर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों ने भारी संख्या में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान समुदाय की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कई महत्वपूर्ण गतिविधियां कराई गईं। इनमें आंगन मिलन सेवा का शुभारंभ, पंजीकरण, परिचय, सभी सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी, माहवारी प्रबंधन, पोषण थाली, टीकाकरण चार्ट, वृद्धि निगरानी, पोषण वाटिका, मदर एंड चाइल्ड खेल और माताओं के साथ विशेष संवाद शामिल रहे। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी नेहा दहिया विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने सभी उत्कृष्ट कार्यकर्ताओं, हेल्पर्स और आशा वर्करों को समुदाय के समक्ष प्रशस्ति पत्र और मग भेंटकर सम्मानित किया। इस दौरान बच्चों और लाभार्थियों को फल भी वितरित किए गए। वक्ताओं ने जोर देकर कहा कि आंगनबाड़ी केन्द्र केवल पोषाहार वितरण के केन्द्र नहीं हैं, बल्कि ये बच्चों के सर्वांगीण विकास का मुख्य आधार हैं। आंगन मिलन सेवा जैसे कार्यक्रमों के जरिए इन्हें केवल सेवा वितरण तक सीमित न रखकर, बच्चों के समग्र विकास और समुदाय की सक्रिय भागीदारी का एक प्रभावी मंच बनाया जा रहा है।

दो दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण कार्यक्रम का हुआ शुभारंभ

लोक हस्तक्षेप समाचार

महेवा /इटावा। मुख्यमंत्री ग्राम पंचायत चांदई में दो दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधानखाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना वर्ष 2026ड्ड27 के ग्राम डिभौली ग्राम पंचायत चांदई में दो दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण का आयोजन किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान विपिन कुमार ने किया ।इस मौके पर अरुण कुमार पूर्व पर्यवेक्षक राजकीय फल सरंक्षण केंद्र इटावा ने प्रशिक्षार्थियों को आचार ,मुरब्बा ,जैम ,शरबत ,आदि को बनाने की विस्तृत जानकारी दी मौजूद विशिष्ट अतिथि उमाशंकर शर्मा ने फूड प्रोसेसिंग तथा फैक्ट्री लगाने संबंधी जानकारी दी वही विभाग के डी आर पी ने उद्योग लगाने संबंधी जानकारी एवं अन्य सुविधाओं की जानकारी दी कार्यक्रम में 30 प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र ,लेखन संबंधी सामग्री प्रदान की गई वहीं कार्यक्रम का समापन भी ग्राम प्रधान द्वारा ही किया गया तथा सभी का आभार व्यक्त किया।

इंद्रावखी ग्राम पंचायत में सफाई व्यवस्था बदहाल, नालियां चोक होने से गंदगी का अंबार

● महेवा ब्लॉक की सीमा पर स्थित पंचायत में सफाई कर्मचारी के नियमित नहीं पहुंचने का आरोप, एंटी लारवा छिड़काव और कूड़ा उठान व्यवस्था भी सवालों के घेरे में

लोक हस्तक्षेप समाचार

इटावा। विकासखंड महेवा की ग्राम पंचायत इंद्रावखी में सफाई व्यवस्था बदहाल होने का मामला सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि सफाई कर्मचारी के नियमित रूप से गांव में नहीं पहुंचने के कारण गलियों और नालियों में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। कई स्थानों पर नालियां पूरी तरह कचरे से भर चुकी हैं, जिससे गंदा पानी सड़कों पर फैल रहा है और ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।ग्रामीणों के मुताबिक, करीब तीन माह से गांव में सफाई व्यवस्था सुचारु रूप से नहीं हो पा रही है। नालियों की सफाई नहीं होने के कारण मच्छरों का प्रकोप भी बढ़ गया है। ग्रामीणों का कहना है कि ग्राम पंचायत में अभी तक एंटी लारवा का छिड़काव भी नहीं कराया गया है। इस संबंध में ब्लॉक स्तर पर कई बार जानकारी देने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं होने का आरोप लगाया गया है।

लाखों की लागत से बना आरआरसी सेंटर, कूड़ा गाड़ी का भी नहीं पता

स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्राम पंचायत में कूड़ा प्रबंधन के लिए आरआरसी सेंटर का निर्माण कराया गया है। इसके अलावा घर-घर से कूड़ा एकत्र करने के लिए कूड़ा गाड़ी भी खरीदे जाने की बात सामने आई है। ग्रामीणों का आरोप है कि इसके बावजूद कूड़ा गाड़ी गांव की गलियों में दिखाई नहीं देती और आरआरसी सेंटर भी अपेक्षित रूप से संचालित नहीं हो रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि सरकार की ओर से स्वच्छता व्यवस्था को लेकर लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन धरातल पर सफाई व्यवस्था का लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। पंचायत इटावा-औरैया सीमा पर स्थित होने के कारण भी ग्रामीणों ने अधिकारियों की निगरानी को लेकर सवाल उठाए हैं।ग्रामीणों ने उच्चाधिकारियों से ग्राम पंचायत का निरीक्षण कराकर नालियों की तत्काल सफाई, एंटी लारवा का छिड़काव, नियमित सफाई कर्मचारी की तैनाती तथा कूड़ा गाड़ी और आरआरसी सेंटर का संचालन सुनिश्चित कराने की मांग की है। साथ ही पूरे मामले की जांच कर जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग भी उठाई है। ग्रामीण इंद्रपाल सिंह चौहान श्याम सिंह चौहान रविंद्र तिवारी गुड्डन चौहान छुन्नू चौहान भीकम सिंह चौहान विकेन्द सिंह चौहान संतोष सिंह चौहान भवेंद्र भदोरिया आदि ने कार्रवाई की मांग भी उठाई है।

ग्रामीण भवेंद्र भदोरिया के द्वारा के द्वारा बताया गया कि ग्राम पंचायत में कई महीने से सफाई कर्मचारी की नियुक्ति न होने के कारण गढ़ की फैली हुई है जिससे बीमारी का प्रकोप बढ़ रहा है

किसान संतोष सिंह चौहान ने बताया की लगातार बारिश होने के कारण नालियां पूरी तरह भर चुकी हैं मच्छरों से निजात के लिए कई बार शिकायत भी की गई लेकिन कोई भी सफाई कर्मचारी या दवा का छिड़काव नहीं करवाया गया

विकेन्द सिंह चौहान के द्वारा बताया गया की लगातार बारिश होने से जगह-जगह जल भराव की स्थिति बनी हुई है और हमारे यहां जानवरों के पास जाने के लिए रास्ते में रोड पर पानी भरा हुआ है जब तक नालियों की सफाई नहीं होगी जब तक जल भराव कि समस्या का निदान नहीं मिलेगा

शिवसेना ने स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन कर क्रांतिकारी भगत सिंह को दी श्रद्धांजलि

लोक हस्तक्षेप समाचार

गुरुग्राम । देश के महान क्रांतिकारी व शहीद-ए-आजम सरदार भगत सिंह की जयंती के उपलक्ष्य में रविवार को शिवसेना की जिला इकाई द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें संगठन के पदाधिकारियों एवं शिव सैनिकों ने शहीद भगत सिंह को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए उनके राष्ट्र के प्रति समर्पण और बलिदान को याद किया। राज्य संगठन मंत्री संजय ठकराल ने बताया कि राज्य प्रमुख नीरज सेठी ने निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ किया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने स्वास्थ्य की जांच कराई। शिविर के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य संबंधी सुविधाएं एवं आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया गया। कार्यक्रम संगठन को मजबूत करने के उद्देश्य से नई नियुक्तियों की घोषणा भी की गई। सुमित मलिक को राज्य प्रमुख तथा ललित क्रांतिकारी को जिला अध्यक्ष गुरुग्राम की जिम्मेदारी सौंपी गई। पदाधिकारियों ने संगठन की जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी निष्ठा एवं समर्पण के साथ करने का संकल्प लिया। नीरज सेठी ने शहीद भगत सिंह के जीवन और बलिदान को याद करते हुए कहा कि भगत सिंह का संघर्ष और देश के लिए दिया गया सर्वोच्च बलिदान आज भी युवाओं को राष्ट्रहित, साहस और सामाजिक जिम्मेदारी की प्रेरणा देता है। उन्होंने युवाओं से शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर सुरेंद्र जांगू सहित शिवसेना के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं शिव सैनिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राष्ट्रभक्ति और संगठनात्मक एकजुटता का संदेश दिया गया।

विश्व नदी दिवस पर हुआ जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

लोक हस्तक्षेप समाचार

इटावा। विश्व नदी दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित संस्था 'सोसायटी फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर' (स्कॉन) द्वारा यमुना नदी के पावन हनुमान घाट एवं ऐतिहासिक सुमेर सिंह किला परिसर में 'नेचर वॉक' और 'नदी संरक्षण जागरूकता कार्यक्रम' का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, युवाओं और प्रमुख पर्यावरणविदों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और यमुना को स्वच्छ बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरुआत हनुमान घाट से 'नेचर वॉक' के साथ हुई, जिसके तहत उपस्थित लोगों ने यमुना नदी के किनारे की प्राकृतिक जैव विविधता और वनस्पतियों का बारीकी से अवलोकन किया। इस अवसर पर आयोजित गोष्ठी में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों ने नदियों के संरक्षण पर अपने विचार साझा किए। डॉ. डी.के. दुबे, अस्थि रोग विशेषज्ञ ने यमुना नदी के ऐतिहासिक और भौगोलिक महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि नदियाँ केवल जल का स्रोत नहीं हैं, बल्कि ये हमारी सभ्यता और संस्कृति की जननी हैं। यमुना के अस्तित्व को बचाना हमारी नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है।डॉ. बी.एन. सिंह बायोलॉजिस्ट लाइन सफारी ने मानवीय हस्तक्षेप से नदियों पर बढ़ रहे दबाव पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, 'प्लास्टिक कचरा, अनुपचारित केमिकल और घरेलू गंदगी सीधे नदियों में प्रवाहित होने से इनका पारिस्थितिक तंत्र पूरी तरह नष्ट हो रहा है। हमें तत्काल धरातल पर कड़े कदम उठाने होंगे।डॉ. राजीव चौहान, महासचिव, स्कॉन ने आध्यात्मिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण साझा करते हुए कहा, 'सनातन संस्कृति में नदियों को माँ का दर्जा दिया गया है। हमें केवल धार्मिक रूप से ही नहीं, बल्कि कर्म से भी यमुना मैया की सेवा करनी होगी। नदी तटों की नियमित सफाई और जागरूकता ही इसका एकमात्र समाधान है।डॉ. अत्री गुप्ता ने युवाओं की भूमिका पर जोर देते हुए कहा, 'आने वाली पीढ़ी को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाना बेहद जरूरी है। छात्र और युवा वर्ग इस तरह के अभियानों से जुड़कर समाज में एक बड़ा बदलाव ला सकते हैं। 'जागरूकता अभियान के अगले चरण में सुमेर सिंह किले परिसर में एक खुली चर्चा का आयोजन किया गया, जहाँ वक्ताओं ने नदियों में किसी भी प्रकार की पूजा-सामग्री या कचरा न फेंकने की अपील की। डॉ कमल कुशवाहा ने भी अपने विचार सहभागियों के बीच रखें। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने यमुना तट को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने की सामूहिक शपथ ली। इस अवसर पर संस्था के सदस्य अनुपम, अरुण, अर्जुन, मुकेश, नगेंद्र प्रताप सिंह, प्रीती, शैलेन्द्र एवं पर्यावरण प्रेमी और बच्चे मौजूद रहे।

तीन दिनों से अंधेरे में डूबा खिलची गांव

आक्रोशित ग्रामीणों ने दी इलिया विद्युत उपकेंद्र के घेराव की चेतावनी

लोक हस्तक्षेप समाचार

शहाबगंज (चंदौली)। शहाबगंज ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले खिलची गांव में पिछले तीन दिनों से पूरी तरह से अंधेरा पसरा हुआ है। गांव से गुजरने वाली 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन सप्लाई लाइन का तार टूट कर जमीन पर गिर गया है, जिससे कभी भी कोई बड़ा और जानलेवा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या को दुरुस्त करने के लिए जब उन्होंने क्षेत्र के अवर अभियंता (जेई) बिनोद कुमार यादव और लाइनमैन कमलेश को फोन किया, तो दोनों के ही मोबाइल फोन स्विच ऑफ मिले। विभागीय अधिकारियों की इस घोर लापरवाही से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पूर्व ग्राम प्रधान विजय शंकर सिंह और अमन सिंह ने तत्काल विद्युत विभाग के एसडीओ अमर सिंह को फोन कर पूरी स्थिति से अवगत कराया और जल्द से जल्द तार जुड़वाने की मांग की।

लगातार बारिश से भरभराकर गिरा कच्चा मकान, गृहस्थी का सामान मलबे में दबकर नष्ट

● - नगला जैक में बहन-भाई पर टूटा मुसीबतों का पहाड़

● ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से आर्थिक सहायता की मांग की

लोक हस्तक्षेप समाचार

महेवा/इटावा। लगातार तीन दिनों से हो रही अनवरत बारिश ग्रामीणों के लिए मुसीबत बन गई है। बारिश के चलते ग्राम पंचायत बिरहीपुर के मजरा नगला जैक में रविवार को एक कच्चा कमरा अचानक भरभराकर धराशायी हो गया। कमरे में रखा घर-गृहस्थी का सामान मलबे में दबकर नष्ट हो गया। घटना के बाद पीड़ित बहन-भाई के सामने रहने और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने का संकट खड़ा हो गया है।जानकारी के अनुसार, नगला जैक निवासी जसोदा देवी और उनके भाई रूप सिंह एक कच्चे मकान में रहकर किसी तरह अपना जीवन यापन करते हैं। रविवार को लगातार बारिश के बीच अचानक उनके मकान का कच्चा कमरा भरभराकर गिर पड़ा। कमरे में रखा गेहूं, चना, सरसों और चावल समेत अन्य गृहस्थी का सामान मलबे में दब गया, जिससे उन्हें काफी नुकसान हुआ है।अचानक हुई इस घटना से बहन-भाई को आर्थिक क्षति पहुंची है। पहले से ही सीमित संसाधनों के सहारे जीवन गुजार रहे परिवार के सामने अब खाने-पीने के सामान और रहने की व्यवस्था को लेकर परेशानी खड़ी हो गई है।

ग्रामीणों ने लगाई आर्थिक सहायता की गुहार

घटना के बाद ग्रामीणों ने जिलाधिकारी इटावा से पीड़ित जसोदा देवी और रूप सिंह के कच्चे कमरे के गिरने से हुए नुकसान का राजस्व विभाग से आकलन कराए जाने की मांग की है। साथ ही पात्रता के आधार पर पीड़ित बहन-भाई को आर्थिक सहायता एवं सरकारी राहत उपलब्ध कराने की गुहार लगाई है, ताकि उन्हें इस संकट की घड़ी में राहत मिल सके।

कैथी तालाब में जलभराव से सैकड़ों बीघा फसल जलमग्न कई गांवों में घुसा पानी

रजबहा और नाले की सफाई न होने से बिगड़े हालात प्राथमिक विद्यालय भी जलभराव की चपेट में सौ से अधिक किसान प्रभावित।

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। तहसील सदर क्षेत्र की ग्राम पंचायत दारानगर के मजरा मधवापुर ननोईया में लगातार हो रही भीषण बारिश के बीच कैथी तालाब में रामकोट रजबहे से निकली रस्यौरा माइनर नहर और बरसात का पानी आने से आसपास की सैकड़ों बीघा कृषि भूमि जलमग्न हो गई है। खेतों में खड़ी फसलें पानी में डूबने से किसानों के सामने भारी नुकसान का संकट खड़ा हो गया है। जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने के कारण पानी गांव के अंदर तक पहुंच गया है और ग्रामीणों को पानी से होकर आवागमन करना पड़ रहा है।बताया जा रहा है कि कैथी तालाब के आसपास राजस्व ग्राम दारानगर मजरा मधवापुर ननोईया राजस्व गांव बरसोहिया रस्यौरा परसेहरा तथा इनके विभिन्न मजरों के सौ से अधिक किसान जलभराव से प्रभावित हुए हैं। ग्रामीणों के मुताबिक लगातार बारिश जारी रहने से स्थिति और गंभीर होती जा रही है।

रजबहा और नाले की सफाई न होने से बढ़ी समस्या

किसानों का कहना है कि कैथी तालाब में पानी भरने के बाद पहले रजबहे के रास्ते पानी सरायन नदी तक चला जाता था जिससे जलभराव की स्थिति नहीं बनती थी। लेकिन लंबे समय से रजबहे की सिल्ट सफाई न होने के कारण पानी की निकासी बाधित हो गई है।

ग्रामीणों का आरोप है कि नाले के आसपास स्कूल-कॉलेज के निर्माण कार्य तथा ईंट-भट्ठों के कारण प्राकृतिक जल निकासी मार्ग प्रभावित हुआ है। इसके चलते बारिश और नहर का पानी खेतों तथा गांव की ओर फैल रहा है।

किसान के घर और कारखाने में घुसा पानी भूसा खराब

जलभराव के कारण किसान रामसिंह के घर और कारखाने में भी पानी घुस गया। उन्होंने बताया कि घर में रखा करीब दस हजार रुपये का भूसा पानी में खराब हो गया जबकि खेत में खड़ी फसल भी डूब गई है।

किसान पवन कुमार प्रदीप कुमार रामचंद्र नवल किशोर मिश्रा भगौती शुक्ला सन्तराम यादव राकेश कुमार यादव दीपक अवधेश कुमार मिश्रा सहित अन्य ग्रामीणों का कहना है कि यदि शीघ्र पानी की निकासी नहीं कराई गई तो खेतों में खड़ी फसल पूरी तरह नष्ट हो सकती है।

प्राथमिक विद्यालय भी पानी से घिरा

मधवापुर ननोईया गांव के चारों तरफ जलभराव की स्थिति बनी हुई है। प्राथमिक विद्यालय परिसर में भी पानी भर गया है, जिससे विद्यालय आने-जाने वाले बच्चों और शिक्षकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव के अंदर भी कई स्थानों पर पानी भर जाने से सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है।

पूर्व में शिकायत के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

ग्रामीणों के मुताबिक जल निकासी की समस्या को लेकर पूर्व में भी संबंधित अधिकारियों को शिकायत की गई थी लेकिन समय रहते प्रभावी कार्रवाई नहीं होने के कारण अब भीषण बारिश के बाद समस्या विकराल हो गई है।

तत्काल जल निकासी की मांग

प्रभावित किसानों और ग्रामीणों ने प्रशासन तथा संबंधित विभाग के अधिकारियों से मौके का तत्काल निरीक्षण कर रजबहे और नाले की सिल्ट सफाई कराने अवरुद्ध जल निकासी मार्ग को खुलवाने और खेतों एवं आबादी से पानी बाहर निकालने की व्यवस्था कराने की मांग की है। किसानों का कहना है कि जल्द पानी नहीं निकाला गया तो फसलों के साथ-साथ घरों पशुओं और ग्रामीणों की संपत्ति को भी और नुकसान हो सकता है।

बदलते मौसम के चलते मरीजों की संख्या हो रही वृद्धि

लोक हस्तक्षेप समाचार

महेवा/इटावा। हर रविवार को पी एच सी पर लगने वाले आरोग्य मेले में बदलते मौसम के चलते मरीजों की संख्या वृद्धि हो रही हैं वहीं चिकित्सकों के द्वारा दवाई के साथ साथ मरीजों को खानपान एवं योगा आदि करने की सलाह दी जा रही हैं ।इसी क्रम में पी एच सी अहेरीपुर में अधीक्षक सी एच सी महेवा डॉ अभिषेक वर्मा के निर्देशन में तथा पी एच सी पर तैनात प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉ अतुल तिवारी के नेतृत्व में आयोजित आरोग्य मेले में दोपहर तक करीब दो दर्जन मरीज दवा ले चुके थे वहीं कुछ मरीजों की खून टेस्ट कर दवा दी गई वहीं इस अवसर पर डॉ अतुल तिवारी ने मरीजों को घरों में तथा आसपास गंदे जल को एकत्रित न होने देने ,ताजा भोजन ग्रहण करने ,बरसात में भीगने से बचने एवं योगा तथा मॉर्निंग वॉकिंग करने की भी लोगों को सलाह दी इस दौरान मरीज शाकिर हसन ,रूबी आदि की खून ,शुगर की जांच करके दवा दी गई ।वही इस दौरान फार्मासिस्ट पंकज करियर , एल टी सुधीर कुमार सहित सभी स्टाफ के लोग मौजूद रहे ।

24 घंटे से बिजली गुल प्रेमनगर-ब्रह्मपुरी में पेयजल संकट

लोक हस्तक्षेप संवाददाता

सीतापुर। पिछले तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के बीच वार्ड प्रेमनगर के मोहल्ला ब्रह्मपुरी में 24 घंटे से अधिक समय तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने से पेयजल संकट खड़ा हो गया। बिजली न आने के कारण घरों में लगी पानी की टंकियां खाली हो गईं और लोगों के सामने पीने के पानी के साथ-साथ दैनिक उपयोग एवं स्नान आदि के लिए पानी की समस्या उत्पन्न हो गई।पेयजल संकट को देखते हुए मोहल्ला निवासी नवल किशोर मिश्रा एवं बाधवानी ने नगर पालिका परिषद सीतापुर की अध्यक्ष नेहा अवस्थी तथा उनके प्रतिनिधि को फोन कर समस्या से अवगत कराया। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका अध्यक्ष ने तत्काल मोहल्ले में जनरेटर सेट की व्यवस्था कराकर पानी की टंकियां भरवाने का कार्य कराया।जनरेटर से बिजली उपलब्ध होने के बाद मोहल्ले के लोगों के घरों की पानी की टंकियां भर सकीं जिससे लोगों को पीने के पानी के साथ दैनिक दिनचर्या स्नान एवं अन्य आवश्यक कार्यों के लिए पानी उपलब्ध हो सका। लगातार बारिश और बिजली संकट के बीच नगर पालिका की इस पहल से स्थानीय लोगों को तत्काल राहत मिली।

मोहल्लेवासियों ने जताया आभार

पानी की समस्या दूर होने के बाद मोहल्लेवासियों ने नगर पालिका अध्यक्ष नेहा अवस्थी और उनके प्रतिनिधि का आभार व्यक्त किया।

ओरी ने आलिया भट्ट की डोंट बी शाइ स्क्रीनिंग की तस्वीरें शेयर करते हुए उनके सफर को कहा बेहद खास

ओरी ने आलिया भट्ट की फिल्म डोंट बी शाइ की एक खास स्क्रीनिंग की कुछ झलकियां सोशल मीडिया पर शेयर की है। उन्होंने इस शाम को 'बहुत खास' बताते हुए अभिनेत्री से प्रोड्यूसर बनीं आलिया भट्ट के करियर के एक नए पड़ाव का जश्न मनाया है।

ओरी ने आलिया के सफर को याद करते हुए बताया कि कैसे उन्होंने 18 साल की उम्र में फिल्म 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर' से बड़े पर्दे पर डेब्यू किया और आज वह हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की प्रमुख अभिनेत्रियों में से एक होने के साथ-साथ एक मां और प्रोड्यूसर भी बन चुकी हैं। उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि आलिया भारतीय सिनेमा में लगातार नई भूमिकाएं और जिम्मेदारियां अपना रही हैं। 'डोंट बी शाइ' की स्क्रीनिंग आलिया भट्ट के लिए एक खास पल रही, क्योंकि वह अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर इस फिल्म को प्रोड्यूस कर रही हैं।

श्रीति मुखर्जी के निर्देशन में बनी यह कमिंग-ऑफ-एज रोमांटिक कॉमेडी चार नए चेहरों, आरुषि बजाज, बियांका अरोड़ा, अंश दुग्गल और पीयूष खाटी को दर्शकों से रूबरू कराती है। ओरी ने बताया कि फिल्म 20 वर्षीय श्यामिली की कहानी पर आधारित है, जिसकी जिंदगी एक अप्रत्याशित मोड़ लेती है। उन्होंने फिल्म के जरिए सामने आ रही नई प्रतिभाओं का भी जिक्र किया है। इस खास शाम में आलिया के करीबी दोस्त, इंडस्ट्री के साथी और परिवार के सदस्य भी शामिल हुए।

ओरी ने अपनी शेयर की गई झलकियों में मनीष मल्होत्रा, वरुण धवन, अनन्या बिरला, शरवरी, सोनी राजदान, महेश भट्ट, नीतू कपूर और रणबीर कपूर को भी दिखाया है। इन सभी की मौजूदगी और समर्थन ने स्क्रीनिंग के माहौल को और भी खास और व्यक्तिगत बना दिया। ओरी ने इस मिलन को आलिया के लिए एक खूबसूरत और यादगार पल बताया। स्क्रीनिंग में करण जौहर की मौजूदगी ने इस शाम को और भी खूबसूरत और यादगार बना दिया।

'महंगी गाड़ियां, स्पोर्ट्स कंपनी, मुंबई में कई फ्लैट्स', एकम बावा ने रिति तिवारी के दावों को बताया झूठा

भोजपुरी अभिनेता और नेता मनोज तिवारी की बेटी रिति तिवारी इन दिनों 'बिग बॉस-20' में साथी प्रतिभागियों उदिति और काजी तौकीर के साथ बहस के दौरान आपत्तिजनक भाषा के इस्तेमाल और कम पॉकेट मनी मिलने को लेकर दिए बयान के कारण आलोचना का सामना कर रही हैं। इस बीच रिति की मां रानी तिवारी के दूसरे पति और पंजाबी गायक एकम बावा ने उनके बयानों को गलत बताया है। एकम बावा ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए कहा कि वे रिति को करीब से जानते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जिस लड़की के बैग और गाड़ियां इतनी महंगी हैं, वह भला इतने कम पैसों में अपना खर्च कैसे चला सकती है। वीडियो में एकम बावा कहते हैं, 'हाल ही में रिति तिवारी ने बिग बॉस में बोला था कि उन्हें हर माह पॉकेट मनी के तौर पर 25,000 रुपये मिलते रहे हैं। मैं 2020 से लेकर 2025 तक रिति तिवारी के घर पर रहता था। रिति की मां और मैं 2020 से लेकर 2022 तक लिव-इन रिलेशनशिप में रहे, फिर 2022 में हमारी मेरी शादी हो गई। 'उन्होंने आगे कहा, 'रिति तिवारी का मैं, आप सभी को सच बताता हूं कि उनके पास 4 से 5 लाख रुपये तक के हैंडबैग है, रेंज रोवर से लेकर बड़े बड़े ब्रांड की गाड़ियां हैं। इन गाड़ियों में तो डीजल ही 2 से लेकर 3 हजार तक का पड़ता है। इसके साथ ही, इनकी स्पोर्ट्स कंपनी भी है, जिसका टर्नओवर बहुत कमाल का होता है और कई क्रिकेटर्स उससे जुड़े हैं, तो उसका रुपए कहां जाएगा और फिर मुंबई में कई फ्लैट्स हैं। '

एकम बावा ने रिति तिवारी को समझाते हुए कहा कि वे लोगों को झूठ बोलना बंद करें। उन्होंने कहा, 'रिति तिवारी लोगों को पागल बनाना बंद कीजिए और बिग बॉस में जाकर लोगों को गालिया भी न दें। '

गायक ने रिति तिवारी की मां रानी के बारे में बताते हुए कहा, 'रिति तिवारी की मां के बारे में बोलने के लिए मेरे पास कोई शब्द नहीं है। उन्होंने मेरे साथ जो किया है, वैसा भगवान किसी के साथ न करें। मैं सोशल मीडिया पर लाइव नहीं आता हूं और न ही इतनी वीडियो बनाता हूं, चाहें तो हमारे दर्शक मेरी प्रोफाइल देख सकते हैं। हालांकि, कभी कभी बनाकर डाल देता हूं। मैं बस काम से मतलब रखता हूं। अब तो कई चीजों से मुझे मतलब नहीं है, लेकिन झूठ नहीं पसंद है और इतना झूठ कौन बोलता है। '

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस के मौके पर अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने सभी से प्रकृति की खूबसूरती को महसूस करने की अपील की। फिटनेस विन का कहना है कि सेहत और पर्यावरण एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हुए हैं। शिल्पा शेट्टी ने इंस्टाग्राम पर विदेशी लोकेशन से अपनी छुट्टियों की कई तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए।

शिल्पा शेट्टी ने शेयर की वेकेशन की तस्वीरें

पर्यावरण की अहमियत पर कही बड़ी बात

अभिनेत्री ने लिखा, 'चारों तरफ देखो। इतनी सारी खूबसूरती है जिसे हम बस चलते-चलते नजरअंदाज कर देते हैं। बदलता आसमान, खिले हुए फूल, पानी की आवाज, पेड़ की छांव, एक खूबसूरत सनसेट जो आपको एक पल के लिए रोक देता है, ये छोटे-छोटे पल बिना कुछ मांगे हमें अच्छा महसूस करा देते हैं।' उन्होंने आगे लिखाः 'विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस पर एक छोटी सी याद दिलाना चाहती हूं कि रुकिए, अपने आसपास की दुनिया को देखिए और उसकी कद्र कीजिए। हमारी सेहत और खुशहाली पर्यावरण से जुड़ी हुई है और हमें दोनों की हिफाजत करनी चाहिए। '

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस हर साल 26 सितंबर को मनाया जाता है। इस दिवस की शुरुआत वर्ष 2011 में इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ एनवायरनमेंटल हेल्थ द्वारा की गई थी। मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के बीच के गहरे संबंध के बारे में दुनियाभर में जागरूकता फैलाना है।

यह दिन हमें याद दिलाता है कि स्वच्छ हवा, सुरक्षित पानी और प्रदूषणमुक्त माहौल के बिना स्वस्थ जीवन संभव नहीं है।

शिल्पा की बात करें तो, उन्हें आखिरी बार सोनल जोशी निर्देशित फिल्म 'सुखी' में देखा गया था। इसमें शिल्पा के साथ अमित साध, डेलनाज ईरानी, कुशा कपिला और पवलीन गुजराल लीड रोल में हैं। फिल्म की कहानी 38 साल की एक पंजाबी गृहिणी सुखप्रीत कालरा उर्फ 'सुखी' (शिल्पा शेट्टी) के इर्द-गिर्द घूमती है। सुखी अपने पति, बेटी और बीमार ससुर की देखभाल में इतनी व्यस्त हो जाती है कि वह अपनी पहचान और ख्वाहिशों को भूल जाती है। अपनी जवानी के दिनों में वह एक बिंदास और बेबाक लड़की हुआ करती थी। अचानक उसे अपने स्कूल के रीयूनियन (मिलन) में दिल्ली जाने का मौका मिलता है। परिवार के विरोध के बावजूद वह 7 दिनों के लिए दिल्ली जाती है, जहां उसके जीवन का नजरिया बदल जाता है और वह एक जिम्मेदार पत्नी-मां से दोबारा खुद को एक स्वतंत्र महिला के रूप में पाती है।

दृश्यम की स्टारकास्ट के साथ धमाकेदार होगी कपिल शर्मा शो की वापसी

इस दिन आएगा पहला शो

कॉमेडियन कपिल शर्मा नेटफ्लिक्स पर 'द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो' के पांचवे सीजन के साथ वापसी करने जा रहे हैं। शो की शुरुआत क्राइम थ्रिलर फिल्म 'दृश्यमः द कन्क्लूजन' की स्टारकास्ट के साथ होगी। पांचवे सीजन के प्रीमियर में अजय देवगन, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव और जयदीप अहलावत के साथ डायरेक्टर अभिषेक पाठक, कपिल शर्मा के साथ हंसी-मजाक और खुलकर बातचीत करते नजर आएंगे। यह एपिसोड 'दृश्यम' हिंदी फ्रेंचाइजी की तीसरी और आखिरी फिल्म की रिलीज से पहले कपिल शर्मा के कॉमेडी शो में अजय देवगन की वापसी का भी मौका होगा। इसमें जयदीप अहलावत, कृष्णा अभिषेक और किकू शारदा की जोड़ी के साथ ठुमके लगाते नजर आएंगे, वहीं सुनील ग्रोवर अजय देवगन की मिमिक्री करके हंसी का तड़का लगाएंगे।

छह महीने के ब्रेक के बाद 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' का सीजन 5 वापस आ रहा है। इस बार भी कपिल शर्मा के साथ सुनील ग्रोवर, कृष्णा अभिषेक, किकू शारदा, अर्चना पूरन सिंह और नवजोत सिंह सिद्धू की कॉमेडी टोली नजर आएगी। नए एपिसोड हर शनिवार रात 8 बजे नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होंगे।

क्राइम थ्रिलर फिल्म 'दृश्यमः द कन्क्लूजन' की बात करें तो इसमें एक बार फिर अजय देवगन विजय सलगांवकर के रोल में लौट रहे हैं। अभिषेक पाठक के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में तब्बू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव, रजत कपूर, प्रकाश राज और जयदीप अहलावत भी हैं।

भगवान हर अच्छे आदमी को ऐसी चालाक औरतों से बचाए

कोमल रानी का सुनीता आहूजा पर पलटवार

अभिनेत्री कोमल रानी स्वर्णकार पिछले कई समय से अभिनेता गोविंदा के साथ रिश्तों को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने शनिवार को गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा के बयानों पर प्रतिक्रिया दी। कोमल ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक लंबा चौड़ा नोट लिखा, 'जो औरत अपने ही पति को वर्षों से जान से मारने की कोशिश कर रही हो, ऐसी औरतों की बद्दुआएं किसी को नहीं लगतीं। जो घर पहले से ही टूटा हुआ हो, उसमें कोई घर तोड़ने वाला नहीं हो सकता। हमारे देश के लोग इतने बेवकूफ नहीं हैं कि सिर्फ इसलिए कौए के पीछे भागने लगें क्योंकि किसी ने कह दिया कि कौआ कान ले गया।' कोमल ने कहा कि इतने पर्सनल मुद्दे को पब्लिक में क्यों लाया जा रहा है। उन्होंने कहा, 'मुझे समझ नहीं आ रहा कि एक महिला किस तरह के दर्द से गुजर रही है, जहां वह ठीक करने की बजाय वह इसे पब्लिक में दिखाने में मजा ले रही है। क्या यह सच में दर्द है या फिर यह एक सोची-समझी साजिश है '

उन्होंने लिखा, 'एक आदमी को लगातार मेंटली परेशान करना, उसे काम करने से रोकना, घर पर बैठने और बर्बाद होने के लिए मजबूर करना, पूरी तरह से अकेला करना और मौत के मुंह तक पहुंचाना कहां तक सही है।

माइकल डगलस ने पत्नी कैथरीन जीटा-जोन्स को जन्मदिन पर कहा- पहली नजर में ही हो गया था प्यार

हॉलीवुड अभिनेता माइकल डगलस ने अपनी पत्नी और अभिनेत्री कैथरीन जीटा-जोन्स के साथ साझा जन्मदिन के मौके पर उनके लिए भावुक संदेश लिखा। उन्होंने कहा कि फिल्मी पर्दे पर उन्हें पहली बार किसी से प्यार तब हुआ, जब उन्होंने कैथरीन को देखा। माइकल डगलस ने शुक्रवार को इंस्टाग्राम पर कैथरीन के साथ अपनी एक तस्वीर साझा की और कैप्शन में अपनी आने वाली संस्मरण पुस्तक 'वन हेलुवा राइड' का एक अंश भी लिखा। उन्होंने लिखा, 'फिल्मी पर्दे पर मुझे कभी किसी से प्यार नहीं हुआ था, जब तक मैंने कैथरीन को नहीं देखा। वह सिर्फ खूबसूरत ही नहीं थीं, बल्कि उनमें एक ऐसा जादू था जो सुंदरता से कहीं बढ़कर था। ' माइकल ने आगे कहा, 'मुझे उतना यकीन पहले कभी किसी बात पर नहीं हुआ था, जितना इस बात पर था कि वही मेरी जीवनसाथी हैं। जिंदगी में ऐसा पल शायद सिर्फ एक बार आता है, जब आपको बिना किसी शक के महसूस होता है कि आप किसी खास इंसान के साथ रहने के लिए बने हैं। जन्मदिन मुबारक हो, कैथरीन। मैं तुम्हें हमेशा और हमेशा प्यार करता रहूंगा। 'कैथरीन जीटा-जोन्स ने भी पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'धन्यवाद डार्लिंग। तुम्हें भी जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं, मेरे प्यार। '

माइकल डगलस और कैथरीन जीटा-जोन्स ने साल 2000 में शादी की थी। दोनों के दो बच्चे हैं–डिलन (24) और कैरीज़ (21)। उनकी पहली मुलाकात अगस्त 1998 में फ्रांस के डोविल अमेरिकन फिल्म फेस्टिवल में हुई थी, जहां अभिनेता डैनी डेविटो ने दोनों का परिचय कराया था।

दिवाली-छठ पर दिल्ली-मुंबई से बिहार-यूपी तक चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

ऐजेंसी

नई दिल्ली। त्योहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए दर्जनों स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी है। इन ट्रेनों की बुकिंग 27 और 28 सितंबर से अलग-अलग चरणों में होगी।

दिवाली और छठ पर घर जाने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर है। नियमित ट्रेनों में सीटें फुल होने और लंबी वेटिंग के बीच रेलवे ने कई राज्यों के प्रमुख शहरों के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का फैसला किया है। ये ट्रेनें उत्तर प्रदेश, बिहार, दिल्ली, पंजाब, चंडीगढ़ और महाराष्ट्र के बीच चलाई जाएंगी। रेलवे सूत्रों के मुताबिक, त्योहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए दर्जनों स्पेशल ट्रेन चलाने की तैयारी है। इन ट्रेनों की बुकिंग 27 और 28 सितंबर से अलग-अलग चरणों में शुरू होगी। यात्री आईआरसीटीसी की वेबसाइट, कंप्यूटरीकृत रिजर्वेशन सेंटर और रेल वन ऐप के जरिए टिकट बुक कर सकेंगे।

अयोध्या जाने वाले श्रद्धालुओं और घर लौटने वाले यात्रियों के लिए आनंद विहार-अयोध्या कैंट के बीच स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। ट्रेन नंबर 04214 आनंद विहार से सुबह 9 बजे रवाना होकर उसी दिन रात 10 बजे अयोध्या कैंट पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 04213 अयोध्या कैंट से शाम 6:20 बजे चलेगी और अगले दिन सुबह 6:10 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। रेलवे ने 1 अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच इसके 36 फेरे तय किए हैं।

दिल्ली-वाराणसी स्पेशल ट्रेन

ट्रेन नंबर 04210/04209 दिल्ली-वाराणसी स्पेशल 2 अक्टूबर से 28 नवंबर तक चलेगी। वाराणसी से यह ट्रेन रात

10:15 बजे रवाना होकर अगले दिन दोपहर 1:45 बजे दिल्ली पहुंचेगी। वापसी में दिल्ली से शाम 6:50 बजे चलकर अगले दिन सुबह 9:50 बजे वाराणसी पहुंचेगी। यह ट्रेन सप्ताह में तीन दिन चलेगी। इसमें एसी 2-टियर, एसी 3-टियर, स्लीपर और जनरल कोच होंगे।

दिवाली और छठ के दौरान बिहार जाने वाली ट्रेनों में सबसे ज्यादा दबाव रहता है। इसे देखते हुए चंडीगढ़ और फिरोजपुर से पटना के लिए भी स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

चंडीगढ़-पटना स्पेशल (04512/04511): यह ट्रेन 18 फेरे लगाएगी। रास्ते में अंबाला कैंट, सहारनपुर, रुड़की, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, वाराणसी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा और दानापुर स्टेशन आएंगे।

फिरोजपुर कैंट-पटना स्पेशल (04616/04615): यह ट्रेन 16 फेरे लगाएगी। मोगा, लुधियाना, अंबाला, मुरादाबाद, बरेली, वाराणसी और बक्सर होते हुए पटना पहुंचेगी।

बंगलूरू में रहने वाले उत्तर भारत के लोगों के लिए कानपुर सेंट्रल और एसएमवीटी बेंगलुरु के बीच भी स्पेशल ट्रेन चलाई जाएगी। ट्रेन नंबर 04131 कानपुर सेंट्रल से 4 अक्तूबर से हर रविवार शाम 4:30 बजे रवाना होगी। वापसी में ट्रेन नंबर 04132 एसएमवीटी बंगलूरू से 7 अक्तूबर से हर बुधवार सुबह 7:10 बजे कानपुर के लिए चलेगी।

मुंबई से गोरखपुर के लिए 64 स्पेशल सेवाएं

सीएसएमटी से गोरखपुर के बीच 64 स्पेशल सेवाएं चलाई जाएंगी। ट्रेन नंबर 01079 सीएसएमटी से 16 अक्टूबर से 16 नवंबर तक रोजाना रात 10:30 बजे रवाना होगी। वापसी में ट्रेन नंबर 01080 गोरखपुर से 18 अक्टूबर से 18 नवंबर तक रोजाना दोपहर 2:30 बजे चलेगी। रास्ते में ठाणे, कल्याण, नासिक रोड, मनमाड, जलगांव, भुसावल, भोपाल, झांसी, कानपुर, लखनऊ, गोंडा और बस्ती जैसे प्रमुख स्टेशन होंगे।

सीएसएमटी और चेन्नई बीच के बीच 12 साप्ताहिक एसी स्पेशल सेवाएं चलाई जाएंगी। ट्रेन नंबर 01015 सीएसएमटी से हर बुधवार रात 12:35 बजे चलेगी। यह सेवा 14 अक्टूबर से 18 नवंबर तक चलेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 01016 चेन्नई बीच से हर गुरुवार सुबह 4 बजे रवाना होगी। यह सेवा 15 अक्टूबर से 19 नवंबर तक चलेगी। इसके प्रमुख ठहराव पुणे, सोलापुर, कलबुर्गी, रायचूर, मंत्रालयम रोड, गुंतकल, कडपा, रेणिगुंटा, अरक्कोनम और पेरंबूर होंगे।

सीएसएमटी और एसएमवीटी बंगलूरू के बीच 14 साप्ताहिक एसी स्पेशल सेवाएं चलेंगी। ट्रेन नंबर 01013 सीएसएमटी से हर शनिवार 10 अक्तूबर से 21 नवंबर तक चलेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 01014 एसएमवीटी बंगलूरू से हर रविवार 11 अक्तूबर से 22 नवंबर तक चलेगी। इसके प्रमुख ठहराव पुणे, सातारा, कराड, सांगली, मिरज, बेलगावी, धारवाड़, हुब्बली, दावणगेरे और तुमकुरु होंगे।

एलटीटी और मऊ के बीच 26 द्वि-साप्ताहिक स्पेशल सेवाएं चलाई जाएंगी। ट्रेन नंबर 01123 एलटीटी से हर शुक्रवार और रविवार चलेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 01124 मऊ से हर रविवार और मंगलवार चलेगी।

एलटीटी और बनारस के बीच 24 द्वि-साप्ताहिक स्पेशल सेवाएं चलेंगी। ट्रेन नंबर 01051 एलटीटी से हर बुधवार और गुरुवार चलेगी। वापसी में ट्रेन नंबर 01052 बनारस से हर गुरुवार और शुक्रवार चलेगी। इसके प्रमुख ठहराव नासिक रोड, जलगांव, भुसावल, खंडवा, इटारसी, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छिवकी और वाराणसी होंगे।

हड़पसर और गोरखपुर के बीच 64 दैनिक स्पेशल सेवाएं चलाई जाएंगी। ट्रेन नंबर 01415 हड़पसर से 16 अक्तूबर से 16 नवंबर तक रोजाना सुबह 7:05 बजे रवाना होगी। वापसी में ट्रेन नंबर 01416 गोरखपुर से 17 अक्तूबर से 17 नवंबर तक रोजाना शाम 5:30 बजे चलेगी। इसके प्रमुख ठहराव अहिल्यानगर, मनमाड, भुसावल, खंडवा, इटारसी, भोपाल, बीना, झांसी, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा, मनकापुर और बस्ती होंगे। यात्रियों को सलाह दी गई है कि टिकट की बुकिंग समय रहते करें और यात्रा से पहले ट्रेन का टाइम टेबल जरूर जांच लें।

वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले एकदिवसीय में सिराज को जगह नहीं मिलने से सभी हैरान

तिरुवनंतपुरम एजेंसी। भारतीय टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ आज से यहां शुरु हुई सीरीज के पहले ही मैच में कई बदलाव कर सभी को हैरान कर दिया। भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज अवसर नहीं मिलने से सभी हैरान रह गये। ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ की वापसी से उन्हें कुछ राहत मिली। कई विश्लेषकों का मानना था कि मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की गैरमौजूदगी में सिराज भारतीय तेज गेंदबाजी आक्रमण संभालेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ केवल दो ही मुख्य तेज गेंदबाजों प्रसिद्ध कृष्णा और गुरनूर बरार के साथ मैदान में उतरी है। प्रसिद्ध कृष्णा के पास 28 एकदिवसीय मैचों का अनुभव है पर युवा गुरनूर बरार ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में केवल 6 ही मुकाबले खेले हैं, जिससे उनका अनुभव काफी कम है। वहीं, 50 एकदिवसीय मैचों का अनुभव रखने वाले सिराज को जगह नहीं मिली। टीम के पास तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में ऑलराउंडर नीतिश कुमार रेड्डी भी हैं। इस मुकाबले में एक और बड़ा फैसला पंजाब के युवा खिलाड़ी नमन धीर को भारतीय टीम में पदार्पण का मौका देना रहा। यह नमन के लिए किसी भी प्रारूप में भारत की तरफ से पहला मैच है। दूसरी ओर, अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा और प्रतिभाशाली बल्लेबाज रुतुराज गायकवाड़ की टीम में वापसी हुई है।

सायना ने ट्राईसिटी मैराथन के अवसर पर फिटनेस और नशा मुति का संदेश दिया

चंडीगढ़ एजेंसी।। भारत की अनुभवी महिला बैडमिंटन स्टार सायना नेहवाल ने रविवार को फिटनेस और नशा मुक्ति का संदेश देने वाली 'एसके ट्राईसिटी मैराथन' को रवाना किया है। इस भव्य आयोजन में करीब 8,000 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसमें फिटनेस और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के साथ ही डिजिटल फ्रॉड और नशे के खिलाफ अभियान चलाने पर जोर दिया गया। इस अवसर पर चंडीगढ़ के मेयर सौरभ जोशी भी विशेष रूप से उपस्थित थे। इस दौरान प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सायना ने देश को एक खेल राष्ट्र बनाने की अपनी परिकल्पना साझा की। उन्होंने कहा कि यदि भारत को जापान, दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों से खेल में प्रतिस्पर्धा करनी है, तो हर किसी को अपनी फिटनेस पर जोर देना होगा। सायना ने युवाओं से कहा है कि कम एक घंटा शारीरिक गतिविधियों को दें, क्योंकि भारत के भविष्य का निर्माण एक स्वस्थ और ऊर्जावान पीढ़ी ही कर सकती है।

ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल जीतने के बाद कोच रवींद्र ने कहा, 'थाईलैंड में कबड्डी लोकप्रिय

तोकाई (जापान)। थाईलैंड की पुरुष कबड्डी टीम के कोच रवींद्र शेट्टी ने कहा कि एशियन गेम्स में देश का ऐतिहासिक ब्रॉन्ज मेडल वहां इस खेल की बढ़ती लोकप्रियता का संकेत है। 1990 में इस खेल की शुरुआत के बाद से महाद्वीपीय प्रतियोगिता में थाईलैंड का यह पहला पुरुष कबड्डी मेडल है। शुक्रवार को तोकाई सिटिजन्स जिम्नेजियम में सेमीफाइनल में भारत से 28-66 से हारने के बाद थाईलैंड ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इस नतीजे के साथ थाईलैंड का अभियान ऐतिहासिक पोडियम फिनिश के साथ खत्म हुआ और पुरुष कबड्डी में 36 साल बाद एशियन गेम्स में उनका पहला मेडल आया। रवींद्र पिछले तीन वर्षों से थाईलैंड में कबड्डी की कोचिंग दे रहे हैं, उन्होंने कहा कि उन्होंने 2022 हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद वहां बिल्कुल शुरुआत से काम शुरू किया था। रवींद्र ने 'आईएएनएस' को बताया, 'मैं पिछले तीन वर्षों से वहां कबड्डी की कोचिंग दे रहा हूं। मैंने तीन साल पहले वहां शून्य से शुरुआत की थी। मैंने हांगझोऊ एशियन गेम्स के बाद शुरुआत की थी। उसके बाद मैंने काम शुरू किया। अब, कबड्डी सीखने के बाद वे आगे बढ़ रहे हैं। अब, थाईलैंड में भी कबड्डी लोकप्रिय हो रही है। ' थाईलैंड ने सेमीफाइनल तक पहुंचने के लिए शानदार प्रदर्शन किया, जहां उनका सामना मौजूदा चैंपियन भारत से हुआ। भारतीय टीम ने मुकाबले में दबदबा बनाए रखा, हाफ-टाइम तक 37-18 की बढ़त बनाई और फिर दूसरे हाफ में अपनी बढ़त को और बढ़ाते हुए 66-28 से जीत हासिल की।

भारत 'ग्रुप-ए' में चार जीत के साथ

एशियाई खेलों की स्क्वैश स्पर्धा में भारत के अभय सिंह को रजत

नगोया एजेंसी। । भारत के अभय सिंह को एशियाई खेलों की स्क्वैश स्पर्धा में रजत पदक मिला है। स्क्वैश के पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में अभय को मलेशिया के एनग ईन यो के हाथों 9-11, 5-11, 5-11 से हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ ही एनग ईन यो ने अपना स्वर्ण पदक बरकरार रखा। इन खेलों में भारत को अब मुक्केबाज में एक कांस्य मिलना तय है जबकि तीरंदाजी और एथलेटिक्स में कई खिलाड़ी फाइनल में पहुंचे है और इससे भारत को अभी और पदक मिलेंगे। मुक्केबाजी में अंकुश पंघाल को पुरुषों के 80 किग्रा वर्ग के सेमीफाइनल में कांस्य पदक मिलना तय है। वहीं तीरंदाजी में पुरुष और महिला दोनों टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। जिससे वहां भी पदक तय है।

400 मीटर बाधा दौड़ में विथ्या रामराज (55.73 सेकंड, एसबी) और अनु राघवन (55.84 सेकंड, पीबी) दोनों अपनी-अपनी हीट में दूसरा स्थान हासिल कर फाइनल में पहुंचीं। वहीं, संतोष कुमार तमिलरासन ने भी पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ में 49.61 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया और फाइनल में जगह बनाई। सर्फिंग में कमाली प्रकाश, शुगर शांति गायेन और शिवराज बाबू ने अपने-अपने इवेंट के राउंड 3 के लिए क्वालिफाई किया, जबकि तलवारबाजी में भारतीय महिला टीम ने इंडोनेशिया को 45-23 से हराकर क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई और फिर आगे बढ़कर अपनी स्थिति मजबूत की।

पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने पत्नी संग बाबा महाकाल के दर्शन किए

भस्म आरती को बताया दिव्य अनुभव

उज्जैन। पूर्व क्रिकेटर सुरेश रैना ने अपनी पत्नी प्रियंका रैना के साथ आज उज्जैन पहुंचकर बाबा महाकाल के दर्शन किये। दोनों ने मंदिर में आयोजित सुबह की भस्म आरती में शामिल होकर बाबा महाकाल का आशीर्वाद लिया। उनके साथ प्रियंका के भाई विवेक और उनकी पत्नी स्नेहा भी मौजूद थीं, जिन्होंने परिवार सहित इस पावन अवसर का लाभ उठाया। भस्म आरती के दौरान पूरा परिवार भक्तिमय माहौल में डूबा हुआ नजर आया। भस्म आरती संपन्न होने के बाद रैना ने अपने इस आध्यात्मिक अनुभव को साझा करते हुए कहा कि उन्हें जय श्री महाकाल का उद्घोष करते हुए बहुत अच्छा लगा और उन्होंने दर्शन का भरपूर आनंद लिया। रैना ने मंदिर प्रबंधन और यहां आने वाले श्रद्धालुओं की विशेष रूप से सराहना की। उन्होंने कहा कि मंदिर ट्रस्ट और दर्शनार्थियों की सुविधा संभालने वाले सभी लोगों ने बेहद व्यवस्थित और प्रभावशाली तरीके से इंतजाम किए हैं।

रैना ने महाकाल की पूजा संपन्न कराने वाले पुजारियों की भी भूरी-भूरी प्रशंसा की। रैना ने बताया कि पुजारियों ने ऐसा आध्यात्मिक और भक्तिमय माहौल बनाया कि वहां उपस्थित सभी भक्तगण भगवान महाकाल की भक्ति में पूरी तरह डूब गए। उन्होंने पुजारियों और मंदिर प्रबंधन का हृदय से आभार व्यक्त किया और कहा कि हमने अच्छे तरह दर्शन किये। पूजा भी काफी अच्छे से हुई। साथ ही कहा कि जितने भी लोग यहां पर दर्शन करने आए हैं, उनके लिए काफी अच्छी सुविधा उपलब्ध है।

अनाहत एशियाई खेलों के फाइनल में हारी

ओलंपिक का टिकट भी हाथ से निकला

नगोया एजेंसी। भारत की महिला स्क्वैश स्टार अनाहत सिंह को एशियाई खेलों के फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। इस हार के साथ ही अनाहत के हाथों से ओलंपिक में खेलने का अवसर भी निकल गया। हांगझोऊ में आयोजित इस स्पर्धा के फाइनल में 18 साल की अनाहत को मलेशिया की अनुभवी शिवसंगरी सुब्रमण्यम ने सीधे गेमों में 3-0 से हरा दिया। इससे अनाहत को रजत पदक ही मिल पाया। इस हार से अनाहत का ओलंपिक खेलने क सपना भी टूट गया। यहां स्वर्ण जीतने पर उन्हें ओलंपिक टिकट मिलत जो अब नहीं मिलेगा। स्क्वैश को पहली बार 2028 लांस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में शामिल किया जा रहा है, और इस ऐतिहासिक क्षण का हिस्सा बनने का मौका अनाहत ने खो दिया।

फाइनल मुकाबले में शिवसंगरी ने अपने अनुभव और सटीक रणनीति का शानदार प्रदर्शन करते हुए अनाहत पर शुरू से ही दबाव बना दिया और मैच के तीनों गेम 11-4, 11-4 और 11-7 के स्कोर से जीत लिए। अपनी आक्रामक शैली और कोर्ट पर ऊर्जा के लिए जानी जाने वाली अनाहत ने मलेशियाई प्रतिद्वंद्वी के सामने अपनी लय

हासिल कर वापसी के प्रयास किये पर असफल रही। । मैच के दौरान शिवसंगरी ने अनाहत को लगातार विनर्स लगाने का कोई बड़ा मौका नहीं दिया और अपनी सधी हुई खेल शैली से उन पर लगातार आक्रमण जारी रखा। इस रणनीति ने अनाहत को अपनी स्वाभाविक खेल शैली में आने का अवसर ही नहीं दिया, जिससे वह वापसी करने में विफल रहीं। इससे पहले अनाहत ने शनिवार को जापान की दुनिया की छठे नंबर की खिलाड़ी सातोमी वातानाबे को सेमीफाइनल में हराया था। फाइनल में वह अपनी लय में नहीं दिखीं। वहीं फाइनल में मलेशियाई खिलाड़ी शिवसंगरी ने अपनी रणनीति को पूरी तरह से अमल में लाया। शिवसंगरी ने अनाहत-सातोमी सेमीफाइनल को करीब से देखा था और उसी के आधार पर अपनी रणनीति बनाई ।

नमन धीर एकदिवसीय डेयू करने वाले 264वें भारतीय खिलाड़ी बने

तिरुवनंतपुरमएजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज रविवार से यहां तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में शुरू हुई। इसमें पहले ही मुकाबले में युवा ऑलराउंडर नमन धीर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया है। कप्तान शुभमन गिल ने उन्हें भारतीय कैप सौंपी, जिसके साथ वह भारत के लिए एकदिवसीय खेलने वाले 264वें और अंतरराष्ट्रीय पदार्पण करने वाले 422वें खिलाड़ी बन गए हैं ।नमन को घरेलू क्रिकेट में पंजाब के लिए और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए किए गए अच्छे प्रदर्शन के कारण टीम में अवसर मिला है। अपनी बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन गेंदबाजी से उन्होंने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। उन्होंने अब तक 14 लिस्ट-ए मैच खेले हैं, जिनमें 39 के औसत और 106 के बेहतरीन स्ट्राइक रेट से 357 रन बनाए हैं। इन मैचों में उनके नाम चार अर्धशतक हैं, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 97 रन रहा है। वहीं गेंदबाजी में भी उन्होंने सात विकेट लिए हैं। इससे उनकी ऑलराउंड क्षमता दिखती है।

एशियाई खेलों के वार्टर फाइनल में आज होगा भारत और अफगानिस्तान का मुकाबला

नगोया एजेंसी। भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम सोमवार को एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम को यहां रैंकिंग के आधार पर सीधे ही क्वार्टर फाइनल में प्रवेश मिला है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेवार हालांकि जापान की धरती पर मिलने वाली अनूठी चुनौतियों के कारण वह अफगान टीम को हल्के में नहीं लेंगी। भारतीय टीम के बल्लेबाजों और गेंदबाजों का लक्ष्य इस मैच में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। जिस प्रकार यहां हाल ही में जापान की टीम के खिलाफ एक मैत्री मैच में भारतीय टीम के बल्लेबाज सानो की टर्निंग पिच पर संघर्ष करते दिखे थे। टोक्यो से नागोया तक बुलेट ट्रेन का सफर कर पहुंचे भारतीय खिलाड़ियों ने इस यात्रा का भरपूर आनंद लिया, जो उनके लिए एक नया और सुखद अनुभव रहा। क्रिकेट नहीं खेलने वाले देश में पहली बार खेलना अधिकांश खिलाड़ियों के लिए रोमांचक अनुभव है। नागोया पहुंचने के दौरान

सुबह 10 बजे से शुरु होगा मैच

बीसीसीआई की वेबसाइट पर श्रेयस अय्यर ने इस अनुभव को खूबसूरत बताया। भारत ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी मजबूत टीम भेजी है, जिसमें अय्यर के अलावा जसप्रीत बुमराह, ईशान किशन, अभिषेक शर्मा और अक्षर पटेल जैसे दिग्गज खिलाड़ी शामिल हैं। भारतीय क्रिकेट की मौजूदा गहराई को देखते हुए, कुछ विशेषज्ञों ने इस फैसले पर सवाल उठाए थे, उनका मानना था कि टीम का मुख्य लक्ष्य 2027 एकदिवसीय विश्वपवर्ल्ड कप पर होना चाहिए। हालांकि, टीम का लक्ष्य स्पष्ट है: स्वर्ण पदक से कम कुछ भी नहीं। दूसरी ओर हाल ही में भारत दौरे में तीन मैच हारने से अफगानिस्तान की टीम का मनोबल गिरा हुआ है। इसलिए, दारविश रसूली की कप्तानी में टीम नए खिलाड़ियों के थ उतरी है। इस टीम में छह खिलाड़ी ऐसे हैं जो पहली बार अंतरराष्ट्रीय मंच पर खेलेंगे। अफगानिस्तान

● दोनो ही टीमें इस प्राकर है :

भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, नीतिश कुमार रेड्डी, जसप्रीत बुमराह, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, ईशान किशन, वॉशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, वैभव सूर्यवंशी , विपराज निगम, यश ठाकुर

अफगानिस्तान : दारविश रसूली (कप्तान), मोहम्मद इशाक, इमरान मीर, नजीबुल्लाह जदरान, इस्मत आलम, करीम जनत, नांगेयालिया खरोटी, अब्दुल्लाह अहमदजइ, खालिद तानीवाल, मोहम्मद अकरम, फरीदून दाउदजइ, फरमानुल्लाह सफी, हसन इसाखिल, फैसल शिनोजादा, अरब गुल मोमांद।

प्रकाशक, मुद्रक एवम् संपादक दीप्ति दुबे द्वारा ए 1470, सेक्टर आई, एल.डी.ए. कालोनी, कानपुर रोड लखनऊ 226012 से प्रकाशित व तानु आफसेट, लालकुआं लखनऊ से मुद्रित। समस्त विवादों को लखनऊ की सक्षम अदालतों में निपटाया जायेगा।

****

टेलीफैक्स : 0522.3564414
फोन: 919839666352
आर.एन.आई.:
UPHIN/2004/18844
डाकपंजीयन :-
जी-2 / न्यूज पेपर / 59 / 2004-5
E-mail:
lokhastakshep@gmail.com
संपादक : दीप्ति दुबे
स्थानीय संपादक : अजेय अजय
संपादकीय सलाहकार : राधाकृष्ण मिश्र

एशियन गेम्स में भारत का तीसरा गोल्ड, महिला कबड्डी टीम ने ईरान को हराकर रचा इतिहास

नागोया एजेंसी।। एशियन गेम्स 2026 में भारत ने अपना तीसरा गोल्ड मेडल जीत लिया है। महिला कबड्डी टीम ने शनिवार को खेले गए रोमांचक फाइनल में ईरान को 37-34 से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। भारतीय टीम ने इस जीत के साथ 2022 में जीते खिताब का सफलतापूर्वक बचाव किया। महिला कबड्डी में यह भारत का लगातार पांचवां एशियन गेम्स पदक है।

सीबीआई की चार्जशीट ने खोला राज

बैंक घोटाले के पैसे से कराया जाता था मुजरा

राजेंद्र सिंह जादौन

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार की करोड़ों की जमाओ में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और ए यू स्मॉल फाइनेंस बैंक के रास्ते किए गए घोटाले के आरोपियों ने मुजरा जैसी अय्याशी पर भी बड़ी राशि खर्च की थी। इस मामले में सीबीआई की चार्जशीट में यह खुलासा किया गया है।घोटाले का मास्टरमाइंड रिभव ऋषि सरकारी खजाने को प्रशासनिक अधिकारियों की अय्याशी और लग्जरी लाइफस्टाइल पर लुटा रहा था। रिभव आई डी एफ सी फर्स्ट बैंक का तत्कालीन ब्रांच मैनेजर है।सीबीआई की चार्जशीट में मोहाली के जीरकपुर स्थित एक विला में चलने वाले इस पूरे 'मुजरा नेटवर्क' और इसमें शामिल आई ए एस अधिकारी पंकज अग्रवाल के रोल का खुलासा हुआ है। हालांकि अभी अग्रवाल की तरफ से इस चार्जशीट पर बहस होना बाकी है।चार्जशीट के मुताबिक, 'जेड मनोर' नाम के इस विला में रिभव ऋषि मुजरा और डांस पार्टी आयोजित करता था। इन पार्टियों में दिल्ली से वरुण नाम के बिचौलिए के जरिए 7-8 महिला नर्तक बुलाई जाती थीं। जांच में यह भी सामने आया कि आई ए एस पंकज अग्रवाल द्वारा खुद ऐसी पार्टियों की मांग की जाती थी। कई बार यह भी पूछा गया कि अगली पार्टी कब होगी? पार्टी में नर्तकियों पर 15-20 लाख रुपए तक उड़ाए जाते थे। नोटों का इंतजाम एक आरबीआई कर्मचारी करता था। वहीं, ये पूरा सिंडिकेट उनकी पत्नी की पार्टियों पर भी खर्चा करता था।सीबीआई ने हरियाणा कैडर के आईएएस पंकज अग्रवाल को पिछले 22 जून को गिरफ्तार किया था। चार्जशीट के अनुसार, पार्टी में नर्तकियों के ऊपर 20, 50 और 100 रुपए के नोट उड़ाए जाते थे। ये 15 से 20 लाख रुपए तक होते थे। नोटों की गड्डियों का इंतजाम रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारी हरभजन के जरिए किया जाता था। वहीं, चंडीगढ़ के सेक्टर-17 स्थित साहिल नाम के व्यक्ति से महंगी शराब मंगवाई जाती थी। जांच में सामने आया है कि आई ए एस पंकज अग्रवाल इन मुजरा पार्टियों के नियमित शौकीन थे। पार्टी खत्म होते ही पंकज अग्रवाल पूछते थे कि 'अगली पार्टी कब होगी? '

एस्कार्ट्स डब्ल्यू 1 (एक कोड वर्ड) के बयानों के अनुसार, रिभव ऋषि जब उससे वॉट्सएप कॉल पर बात करता था, तो वह कॉल में पंकज अग्रवाल को भी जोड़ लेता था। कॉल के दौरान पंकज अग्रवाल खुद जेड मनोर विला में मुजरा पार्टियों की मांग करते थे। वह डांस ग्रुप्स, नोटों की गड्डियों और फॉरेनर आर्टिस्ट्स की रूम सर्विस के बारे में भी पूछताछ करते थे।पंकज अग्रवाल की डिमांड पर जेड मनोर में 1 नवंबर 2025, 9 नवंबर 2025, 13 दिसंबर 2025 और 16 जनवरी 2026 को 4 पार्टियों का आयोजन हुआ। फोन के लोकेशन डेटा से पुष्टि हुई है कि 1 नवंबर 2025 की रात 10:30 बजे से सुबह 4 बजे तक पंकज अग्रवाल जेड मनोर में ही मौजूद थे।

: जांच रिपोर्ट के अनुसार, रिभव ऋषि का यह नेटवर्क सिर्फ जीरकपुर तक सीमित नहीं था, बल्कि एस्कॉर्ट्स के ठहरने और भुगतान के लिए पूरा सिंडिकेट काम कर रहा था। एस्कॉर्ट डब्ल्यू-3 ने सीबीआई को दिए बयान में बताया कि वह नवंबर और दिसंबर 2025 में जेड मनोर की पार्टियों में शामिल हुई थी। दोनों बार जब वह ग्राउंड फ्लोर के कमरे में थी, तब पंकज अग्रवाल कमरे के अंदर आए और कुछ समय वहां बिताया। डब्ल्यू3 को इसके बदले 10 से 12 हजार रुपए नकद दिए गए थे। 10 जनवरी 2026 की रात पंकज अग्रवाल के लिए मोहाली के होटल विन्धम में एस्कॉर्ट डब्ल्यू2 का इंतजाम किया गया। नरेश कुमार नाम के कर्मचारी ने डब्ल्यू-2 को दिल्ली से चंडीगढ़ बुलवाया और होटल में कमरा बुक करवाया। 10 जनवरी की रात 10:51 बजे नरेश कुमार ने वॉट्सएप पर मैसेज भेजा, जिसमें लिखा था- 'वरूण को ओके करना, डब्ल्यू-2 आई हुई है, पंकज सर साथ है।' पंकज अग्रवाल रात 8:30 बजे से 11 बजे तक डब्ल्यू-2 के साथ मौजूद रहे और रात 10:56 बजे कैब से अपने सेक्टर-19 स्थित घर के लिए निकले।

जांच रिपोर्ट से सामने आया है कि आई ए एस पंकज अग्रवाल के निजी दौरों और परिवार के कार्यक्रमों का पूरा बिल भी बैंक घोटाले के पैसों से ही चुकाया जाता था। 1 अक्टूबर 2025 को पंकज अग्रवाल की पत्नी ऋतु जैन के लिए ट्रिब्यून चौक स्थित नोवोटेल होटल में पार्टी रखी गई। इसका 19,399 रुपए का पूरा बिल रिभव ऋषि ने कैश में चुकाया।रिभव अपनी निजी गाड़ी को आई डी एफ सी बैंक सेक्टर-32 पर ही छोड़ देता था और विक्रम वाधवा नाम के व्यक्ति की गाड़ी में बैठकर आईएएस अफसरों के घर जाता था। जिससे कोई सीसीटीवी या गाड़ी का नंबर ट्रैस न हो सके।

डीलर से बात करने के लिए सामान्य फोन कॉल की जगह वॉट्सएप ऑडियो कॉल का इस्तेमाल किया जाता था। रिश्वत और कमीशन के पैसों की बात सीधे न करके कोड वर्ड में की जाती थी। बिना चेक के पैसे निकालने के लिए डेबिट नोट्स जैसे बैंकिंग तरीकों के साथ फर्जी डॉक्यूमेंट का इस्तेमाल किया जाता था।

सीनियर आई ए एस अफसरों से बात करते समय रिभव शाइन सर या भैया कोड का इस्तेमाल करता था।

हरियाणा सरकार की जमाओ का यह बैंक घोटाला फरवरी 2026 में सामने आया था। आरोप है कि आई डी एफसी फर्स्ट बैंक और ए यू स्मॉल फाइनेंस बैंक के कुछ अधिकारियों ने हरियाणा सरकार के 8 विभागों की रकम फर्जी एफ डी आर और डेबिट नोट्स के जरिए निकालकर शेल कंपनियों में ट्रांसफर कर दी।

हरियाणा सरकार के अनुरोध पर सीबीआई ने जांच राज्य विजिलेंस और एंटी करप्शन ब्यूरो से अपने हाथ में ली। अब तक 17 आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हो चुकी है। इनमें दोनों बैंकों के 6 अधिकारी, हरियाणा सरकार के 3 कर्मचारी, 2 कंपनियां और 6 निजी व्यक्ति शामिल हैं। घोटाले का मास्टरमाइंड आई डीएफसी फर्स्ट बैंक का तत्कालीन मैनेजर रिभव ऋषि बताया गया है, जो गिरफ्तार हो चुका है।सीबीआई का दावा है कि स्कूल शिक्षा विभाग के प्रधान सचिव रहते पंकज अग्रवाल ने आई डी एफ सी फर्स्ट बैंक में खाता खोलने के दौरान नियमों का पालन नहीं किया। विभाग के एक जूनियर अधिकारी ने एफ डी आर से जुड़े नियमों का हवाला देकर आपत्ति जताई, लेकिन अग्रवाल ने कथित तौर पर दबाव बनाकर खाता खुलवाया।सीबीआई के मुताबिक, खाते में अधिकतम 50 करोड़ रुपए जमा किए जा सकते थे। इसके बावजूद पंकज अग्रवाल की कथित मंजूरी से कोटक महिंद्रा बैंक से सीधे 100 करोड़ रुपए नए खाते में ट्रांसफर कराए गए। जांच एजेंसी का आरोप है कि इसमें वित्तीय नियमों और प्रक्रियाओं की अनदेखी की गई।

युवाओं को रोजगार, पारदर्शी भर्ती और बेटियों को सुरक्षा देना सरकार की जिम्मेदारी : कुमारी सैलजा

एजेंसी। सिरसा की सांसद, पूर्व केंद्रीय मंत्री, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव एवं कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की सदस्य कुमारी सैलजा ने हरियाणा में बेरोजगारी, भर्ती प्रक्रिया में देरी और पद वापस लिए जाने को लेकर भाजपा सरकार की नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि प्रतिवर्ष दो करोड़ नौकरियां देने का वादा करने वाली भाजपा सरकार में हरियाणा के पढ़े-लिखे युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं। भर्ती की प्रतीक्षा में युवाओं की उम्र निकल रही है और अनेक युवा अपनी योग्यता से अलग काम करने को मजबूर हैं। सांसद ने कहा कि प्रदेश में बड़ी संख्या में सरकारी पद रिक्त होने के बावजूद नियमित भर्तियां नहीं की जा रही हैं। उन्होंने दावा किया कि दो लाख से अधिक सफाई कर्मचारियों के पद खाली पड़े हैं। सरकार को सभी विभागों में रिक्त पदों का ब्यौरा सार्वजनिक कर समयबद्ध तरीके से नियमित भर्ती करनी चाहिए। युवाओं को आश्वासन नहीं, बल्कि पारदर्शी भर्ती, स्थायी रोजगार और समान अवसर मिलने चाहिए। कुमारी सैलजा ने कहा कि रोजगार किसी भी सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारियों में से एक है। हरियाणा के युवाओं ने मेहनत और योग्यता के बल पर भविष्य बनाने के सपने देखे हैं, लेकिन भर्ती में देरी, पदों की वापसी और आयु सीमा पार होने से उनके सामने अनिश्चितता पैदा हो रही है।

सुप्रसिद्ध वास्तुकार प्रमोद जैन को प्रतिष्ठित आर्किटेक्चर एक्सीलेंस रिकग्निशन अवार्ड

जयपुरन,एजेंसी। जयपुर के प्रख्यात आर्किटेक्ट प्रमोद जैन को भारत के वास्तुकला एवं डिजाइन क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान और जोधपुर स्थित मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर (एमआईसी) के उत्कृष्ट डिजाइन के लिए प्रतिष्ठित 'आर्किटेक्चर एक्सीलेंस रिकग्निशन अवार्ड' से सम्मानित किया गया। राज्यसभा सदस्य सतनाम सिंह संधू ने चंडीगढ़ के होटल ताज में पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (पीएचडीसीसीआई), चंडीगढ़ की ओर से आयोजित नेशनल आर्किटेक्चर अवार्ड्स के पांचवें संस्करण में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया। सम्मान समारोह में देशभर से वास्तुकला और डिजाइन क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों, पेशेवरों तथा प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया। प्रमोद जैन को यह सम्मान 'लार्ज सिविक बिल्डिंग्स' श्रेणी में एमआईसी, जोधपुर के वास्तुशिल्पीय डिजाइन में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रदान किया गया। इस पुरस्कार के लिए चयन काउंसिल ऑफ आर्किटेक्चर के पूर्व अध्यक्ष आर्किटेक्ट हबीब खान की अध्यक्षता वाली सात सदस्यीय विशेषज्ञ जूरी ने किया। जूरी ने प्रमोद जैन के डिजाइन दृष्टिकोण, रचनात्मकता,

नवाचार और समकालीन भारतीय वास्तुकला में उनके योगदान को विशेष रूप से रेखांकित किया। मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर (एमआईसी), जोधपुर के सांस्कृतिक जीवन का एक महत्वपूर्ण केंद्र बनकर उभरा है। इसके डिजाइन में आधुनिक वास्तुकला और राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास दिखाई देता है। इसी कारण एमआईसी का डिजाइन राष्ट्रीय स्तर पर वास्तुकला जगत में चर्चा का विषय रहा है। पीएचडीसीसीआई के अनुसार, राष्ट्रीय आर्किटेक्चर अवार्ड्स के लिए विभिन्न परियोजनाओं का मूल्यांकन व्यापक 360-डिग्री असेसमेंट के आधार पर किया गया। इसमें डिजाइन कॉन्सेप्ट, समग्र वास्तुशिल्पीय सौंदर्य, नवाचार, स्थायित्व और परियोजना के पूर्ण होने के बाद उसके उपयोग एवं सार्वजनिक स्वीकार्यता जैसे विभिन्न पहलुओं को शामिल किया गया। सुप्रसिद्ध वास्तुकार प्रमोद जैन को प्रतिष्ठित 'आर्किटेक्चर एक्सीलेंस रिकग्निशन अवार्ड' प्रमोद जैन की यह उपलब्धि उनके लगातार उत्कृष्ट आर्किटेक्चरल कार्य की श्रृंखला में एक और महत्वपूर्ण कड़ी है। उन्हें 2024 में राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर (आरआईसी), जयपुर के डिजाइन के लिए तथा 2025 में मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर (एमआईसी), जोधपुर के लिए लगातार दो वर्षों तक 'डिजाइनस्केप अवार्ड' से सम्मानित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, उन्हें वर्ष 2025 में एमआईसी, जोधपुर के लिए एक लाख रुपये की नकद पुरस्कार राशि के साथ नेशनल स्टोन मार्ट अवार्ड भी प्रदान किया गया था। इन सम्मानों ने राजस्थान की समकालीन वास्तुकला को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में उनके योगदान को रेखांकित किया है।

पांच दशक की रचनात्मक यात्र: पांच दशकों से अधिक लंबे अपने पेशेवर जीवन में प्रमोद जैन ने अनेक महत्वपूर्ण भवनों और संस्थागत परियोजनाओं की परिकल्पना एवं डिजाइन किया है। उनकी वास्तुकला में स्थानीय परिवेश, भारतीय सांस्कृतिक संदर्भ, आधुनिक तकनीक और उपयोगिता के बीच संतुलन स्थापित करने का प्रयास दिखाई देता है। जयपुर से अपनी वास्तुशिल्पीय यात्रा को आगे बढ़ाते हुए प्रमोद जैन ने राजस्थान के साथ-साथ देश के विभिन्न हिस्सों में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उनके कार्यों ने न केवल सार्वजनिक एवं सांस्कृतिक भवनों की वास्तुकला को नई दृष्टि दी है, बल्कि राजस्थान की स्थापत्य परंपरा को आधुनिक संदर्भों के साथ जोड़ने की दिशा में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आवश्यकता है

वाराणसी, लखनऊ और नई दिल्ली से प्रकाशित हिन्दी दैनिक 'लोक हस्तक्षेप' के लिए आवश्यकता है महिला एवं पुरुष विज्ञापन प्रतिनिधियों की।

विज्ञापन के क्षेत्र में अनुभवी व फ्रेशर भी आवेदन कर सकते हैं।

सम्पूर्ण विवरण सहित आवेदन करें।

लोक हस्तक्षेप The power of truth

lokhastakshepcorpc@gmail.com

WhatsApp : 9839666352

लोक हस्तक्षेप
The power of truth
वाराणसी | लखनऊ | नई दिल्ली

21 YEARS OF FEARLESS JOURNALISM DEFINING THE POWER OF TRUTH.

लखनऊ | वाराणसी | नई दिल्ली